राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 17
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रु.
UPHIN/2014/67765

# क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ,
रविवार, 07 अक्टूबर 2018

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

## संक्षिप्त समाचार

### जनता की परेशानियों से मोदी सरकार पूरी तरह बेपरवाह : सीताराम येचुरी

नई दिल्ली। माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने पेट्रोल डीजल सहित अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लगातार बढ़ रही कीमतों और रुपये की हालत का हवाला देते हुये अर्थव्यवस्था की बदहाली के कारण जनता की बढ़ रही परेशानियों से मोदी सरकार पर बेपरवाह होने का आरोप लगाया है। येचुरी ने शुक्रवार को पेट्रोल डीजल पर सरकार द्वारा जनता से वसूले जा रहे उत्पाद शुल्क के आंकड़ों के आधार पर कहा कि सरकार (शेष पृ. 7 पर). . .

### इटावा मे आठ विशेषज्ञ सरकारी डाक्टरों के इस्तीफों से हड़कंप

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिला मुख्यालय पर स्थित डा. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल(पुरूष) के आठ विशेषज्ञ डाक्टरो ने काम के बोझ से तंग आकर सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा दे दिया है। डाक्टरों के इस्तीफे के बाद अब केवल छह डाक्टरों पर पूरे अस्पताल की जिम्मेदारी आ गई है। डाक्टरों की इस कार्यवाही से स्वास्थ्य महकमे में हड़कम्प मच गया। डा. भीमराव अम्बेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.एस एस. भदौरिया ने शनिवार को यहां बताया कि शुक्रवार को आठ विशेषज्ञ (शेष पृ. 7 पर). . .

### एस–400 समझौते में रिलायंस भी है शामिल!

नई दिल्ली। भारत ने आखिरकार बड़ा साहस दिखाते हुए रूस से एस–400 वायु रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए पांच अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए. कई देश रूस से यह सिस्टम खरीदना चाहते हैं क्योंकि इसे अमेरिका के थाड सिस्टम से बेहतर माना जाता है।

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को यात्रा के दौरान अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस डिफेंस ने रूस के अल्माज–एंटी के साथ 6 अरब डॉलर के संभावित विनिर्माण और रख–रखाव सौदे पर हस्ताक्षर किए थे. बता दें कि अल्माज (शेष पृ. 7 पर). . .

## माया के गठबंधन न करने पर 'फर्क नहीं पड़ेगा' : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बीएसपी चीफ मायावती के मध्य प्रदेश में गठबंधन न करने के फैसले और खुद के पीएम बनने को लेकर अहम बयान दिया है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि उनके अलग होने से मध्य प्रदेश में कांग्रेस की संभावनाओं पर बहुत फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि राहुल गांधी ने मायावती के 2019 के आम चुनाव में साथ आने की उम्मीद भी जताई। राहुल गांधी ने पीएम बनने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि यदि सहयोगी दल इस पर सहमत होंगे तो जरूर।

एक कार्यक्रम में राहुल ने कहा, श्मैं नहीं मानता कि बीएसपी के मध्य प्रदेश में गठबंधन न करने से हमें बहुत फर्क पड़ेगा।श राहुल ने कहा कि यह बेहतर होता यदि हम गठबंधन बनाने में सफल हो पाते। कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई।

अगले साल पार्टी के सत्ता में आने पर पीएम के सवाल को लेकर राहुल ने कहा, श्विपक्षी पार्टियों ने 2019 के लोकसभा चुनाव में पहले बीजेपी को हराने का फैसला लिया है और उसके बाद पीएम को लेकर निर्णय लिया जाएगा।श यह पूछे जाने पर कि यदि सहयोगी दल उन्हें पीएम देखना चाहें तो? (शेष पृ. 7 पर). . .

## इस बार परंपरा बदलेगा राजस्थान : पीएम मोदी

अजमेर। चुनावी राज्य राजस्थान में के अजमेर में पीएम मोदी रैली कर चुनाव अभियान का आगाज किया है। रैली के दौरान पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि इस बार राजस्थान अपनी परंपरा को बदलने जा रहा है। मोदी ने कहा कि अब तक राजस्थान की जनता एक बार कांग्रेस को मौका देती थी तो दूसरी बार बीजेपी को। लेकिन इस बार राजस्थान ने परपंरा को तोड़ते हुए फिर से बीजेपी को मौका देने का मन बना लिया है। मोदी इस दौरान कांग्रेस पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ा। मोदी ने तीन तलाक और सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र कर विपक्ष के बयानों की आलोचना की।

पीएम मोदी ने कहा, हमें झूठ बोलने की आदत नहीं है। हमें तो सर्वजहमें सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के लिए काम करने की आदत है। मोदी ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, एक तरफ वोट बैंक की राजनीति है तो दूसरी तरफ सबका साथ सबका विकास है। वोट बैंक की राजनीति वाले हिंदू–मुस्लिम, अगड़े–पिछडे, अमीर–गरीब, बुजुर्ग–युवा के बीच दरार पैदा करने का काम करते हैं। तोड़ना सरल है, लेकिन जोड़ने के लिए जिंदगी खपानी पड़ती है। हम जोड़ने वाले लोग हैं। वोट बैंक की राजनीति चुनाव तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को तबाह कर देती है।

मोदी ने कहा कि कुछ लोग एक ही परिवार की परिक्रमा कर अपनी राजनीति चमकाने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा, श्बड़ी मुश्किल से 60 साल के बाद देश ने एक दिशा पकड़ी है। अब उनको किसी भी हालत में यहां (शेष पृ. 7 पर). . .

## यूएस की धमकी के बावजूद भारत–रूस में हुई बड़ी डील

नई दिल्ली, जेएनएन। आखिरकार भारत और रूस के बीच एस–400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम सौदे पर मुहर लग गई है। अमेरिका की नाराजगी के बावजूद भारत ने रूस के साथ पांच एस–400 मिसाइल समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ ही भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष में सहयोग को लेकर भी समझौता हो गया है। भारत साइबेरिया के शहर नोवोसबिरस्क में मॉनिटरिंग स्टेशन बनाएगा।

दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने पर बात की। खास तौर पर रूसी तकनीक से मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत हथियारों व सैन्य उपकरणों के निर्माण को लेकर ठोस बात हुई। इसके साथ ही इस वर्ष दोनों देशों की तीनों सेनाओं के बीच दूसरा सैन्य अभ्यास होगा।

भारत और रूस के बीच इन समझौतों पर लगी मुहर, एस–400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की खरीद मानव संसाधन से लेकर प्राकृतिक संसाधन का विकास, सौर ऊर्जा और नाभिकीय ऊर्जा का शान्तिपूर्ण उपयोग, व्यापार से लेकर निवेश तक सहयोग, इसरो और रूसी संघीय अंतरिक्ष अभिकरण के बीच गगनयान को लेकर समझौता, तकनीक से बाघ संरक्षण, सागर से लेकर अंन्तरिक्ष तक विस्तार, आतंकवाद और नशीली दवाओं के खिलाफ (शेष पृ. 7 पर). . .

## चुनाव आयोग की आजादी कहां है : रणदीप सुरजेवाला

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत पांच राज्यों में आज चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। चुनाव आयोग आज दोपहर 3 बजे दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। ऐसी को लेकर कांग्रेस ने कहा की 12:30 बजे होनी थी लेकिन आज अजमेर रैली के कारण 3 बजे होगी।

कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने चुनाव आयोग की पीसी की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए ट्वीट किया चुनाव आयोग ने 5 राज्यों के चुनाव की तारीखों की घोषणा के लिए आज 12.30 बजे पीसी की घोषणा की पीएम मोदी दोपहर 1 बजे (शेष पृ. 7 पर). . .

## पैट्रो पदार्थों की कीमतों को काबू में करने के लिये उठाया कदम : सीएम योगी

लखनऊ। पैट्रोल–डीजल की कीमतों में बेतहाशा बढोत्तरी को काबू करने की कवायद के तहत केन्द्र सरकार का अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दोनों ईंधनों पर राज्य सरकार द्वारा लगाये जाने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) में ढाई–ढाई रुपये प्रति लीटर की कमी कर लोगों को राहत दी है। इससे प्रदेश में पैट्रोल–डीजल पाँच–पाँच रुपये प्रति लीटर सस्ता हो गया है। श्री योगी ने यहाँ संवाददाताओं को बताया कि एक–दो राज्यों को छोड़कर पैट्रोल–डीजल पर वैट उत्तर प्रदेश में सबसे कम है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने लोगों को राहत देने के लिए वैट में ढाई–ढाई रुपये की कमी करने का फैसला किया है। इससे प्रदेश में पैट्रोल

की कीमत 83.21 रुपये से घटकर 78.21 रुपये और डीजल के 75.44 रुपये से घटकर 70.44 रुपये प्रति लीटर हो जायेगी। इससे पहले दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने आज ही पैट्रोल–डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में डेढ़–डेढ़ रुपये प्रति लीटर की कटौती का ऐलान करते हुए कहा कि तेल विपणन कंपनियाँ भी अपनी ओर से कीमतों में एक–एक रुपये की कटौती करेंगी। इस प्रकार केंद्र सरकार तथा तेल विपणन कंपनियों की तरफ से ग्राहकों को कुल ढाई–ढाई रुपये प्रति लीटर की राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज के फैसले से राज्य को 4,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा, जिसकी क्षतिपूर्ति अन्य स्रोतों से करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने (शेष पृ. 7 पर). . .

## घनश्याम खंडेलवाल के 25 ठिकानों पर आईटी की रेड

लखनऊ। कालेधन पर पीएम मोदी का बरेली के बड़े उधोगपति व खाद्य तेल के बड़े कारोबारी घनश्याम खंडेलवाल पर चाबुक चला है। घनश्याम खंडेलवाल की 25 ठिकानों पर आईटी की रेड पड़ने से व्यापारियो में हड़कम्प मच गया है।

कालेधन की सूचना पर आईटी विभाग की यूपी और उत्तराखंड की 27 टीमो में शामिल 250 से अधिक अफसरों ने घेराबंदी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए है। इस छापेमारी के दौरान कम्पनी के कर्मचारियों ने नकली ऑयल को नालियों में बहा दिया है ।

बीएल एग्रो रिफाइनरी पर छापेमारी करती ये है इनकम टैक्स विभाग की टीम, यूपी, उत्तराखंड के प्रिंसिपल डायरेक्टर इनकम टैक्स अमरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि घनश्याम खंडेलवाल के यहां बड़ी संख्या में कालाधन है।

जिसके बाद उन्होंने इस छापेमारी को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि नोटबन्दी के दौरान भी इन्होंने कालाधन को ठिकाने लगाया था और नोट को काटकर जलाया गया था। उस दौरान परसाखेड़ा में नोटो की बहुत सारी कतरन भी मिली थी। उन्होंने बताया कि हमने बरेली की टीम को छोड़कर यूपी और उत्तराखंड की 27 टीमों को छापेमारी के लिए लगाया गया है।

उन्होंने (शेष पृ. 7 पर). . .

## काले अक्षरों में दर्ज होगा सपा–बसपा का नाम : भाजपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी

(बसपा) के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के मामले मोदी व योगी सरकार में एक–एक करके सामने आ रहे हैं। इन दोंनों पार्टियों का नाम भ्रष्टाचार के पटल पर काले अक्षरों में लिखा जाएगा। यह बातें गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. चन्द्रमोहन (शेष पृ. 7 पर). . .

## मुरादाबाद-सहारनपुर रेलखंड पर होगा देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन का ट्रायल

लखनऊ। अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ) मुरादाबाद–सहारनपुर रेलखंड पर देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन–18 का ट्रायल 15 अक्टूबर से करेगा। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। आरडीएसओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि मुरादाबाद–सहारनपुर रेलखंड पर देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन–18 का ट्रायल 15 अक्टूबर से किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन में इंजन नहीं होगा। कोचों के नीचे ट्रैक्शन मोटर लगी होगी जिससे ट्रेन सेल्फ प्रोपेल्ड सिस्टम के जरिए पटरियों पर दौड़ेगी। इस रेलखंड पर यह ट्रेन 100 से लेकर 115 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाई जाएगी। इसके बाद बीना व आगरा के बीच इसका अंतिम ट्रायल

होगा। जहां उसे 180 किमी प्रति घंटे की गति से दौड़ाया जाएगा। दोनों ट्रायल के बाद इसे 160 किलोमीटर की गति से चलाने के लिए रेल संरक्षा आयुक्त से अनुमति ली जाएगी। उल्लेखनीय है कि अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन–18 का ट्रायल कर प्रधानमंत्री (शेष पृ. 7 पर). . .

## पांच राज्यों में 12 नवंबर से 7 दिसंबर तक होगा मतदान, 11 दिसंबर को मतगणना

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का शंखनाद बज चुका है। चुनाव आयोग ने शनिवार को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम के लिए चुनावी तारीखों का ऐलान किया। चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने कहा कि 15 दिसंबर से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। ईसी ने कहा कि पांच राज्यों में ही एक साथ चुनाव कराए जाएंगे। सबसे पहले छत्तीसगढ़ के नक्सली क्षेत्र में 12 नवंबर को चुनाव करवाए जाएंगे। यहां दो चरण में चुनाव संपन्न होंगे, दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा। इसके बाद मध्यप्रदेश में 28 नवंबर को मतदान आयोजित किया जाएगा। मिजोरम में भी 28 नवंबर को ही मतदान होगा। यहां दोनों राज्यों में एक ही चरण में होगा मतदान। राजस्थान में 7 दिसंबर को मतदान आयोजित किया

जाएगा। 11 दिसंबर को मतगणना की जाएगी। चुनाव आयुक्त श्री रावत ने कहा कि चुनाव के दौरान... आधुनिक म्टड और टटच्।ज का इस्तेमाल किया जाएगा। दागी उम्मीदवारों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन किया जाएगा। दृष्टिहीन उम्मीदवारों के लिए ब्रेल वोटर पर्ची का इस्तेमाल किया जाएगा। उम्मीदवारों को आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी देनी होगी। 15 दिसंबर से पहले पूरी होगी चुनावी प्रक्रिया, मतदान की वीडियोग्राफी करवाई जाएगी, सीसीटीवी से मतदान पर रखी जाएगी नजर।

इससे पहले विधानसभा चुनाव की तारीखों को लेकर आज ऐलान की उम्मीद की जा रही थी। निर्वाचन आयोग ने दोपहर 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। हालांकि पहले कॉन्फ्रेंस का वक्त 12.30 बजे बताया गया था, लेकिन आधे घंटे के अंदर ही चुनाव आयोग की ओर से समय में बदलाव कर दिया गया। माना जा रहा है, इस कॉन्फ्रेंस में आयोग मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तसीगढ़, (शेष पृ. 7 पर). . .

## सपा को बड़ा झटका, नई पार्टी लांच करेंगे राजा भैया!

लखनऊ। देश के विभिन्न राज्यों में लोकसभा चुनाव बेहद नजदीक है। इनमे से ही एक राज्य है उत्तरप्रदेश। देश के अधिकतर दूसरे राज्यों की तरह यहाँ भी तमाम राजनैतिक पार्टियों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। लेकिन इन सब के बीच उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बड़ा फैसला लिया है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता और उत्तर प्रदेश की राजनीति के जाने–माने चेहरे रघुराज प्रताप सिंह जल्द ही 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए अपनी के नई पार्टी लांच कर सकते है। देश के एक प्राइवेट मीडिया चौनल ने हाल ही में पेश की अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि रघुराज प्रताप सिंह जल्द जिन्हे राजा भैया के नाम से भी जाना जाता है वे जल्द ही राजनीति में अपने 25 साल पूरे करने के अवसर पर अपनी नई पार्टी लांच करने की घोसना कर सकते है।

उल्लेखनीय है कि राजा भैया उत्तरप्रदेश की राजनीति में एक अहम प्रभाव रखते है और यूपी के ठाकुर समाज से उन्हें बेहद समर्थन और स्नेह मिलता है। ऐसे में उनके द्वारा नई पार्टी लांच करना चुनाव के ठीक पहले समाजवादी पार्टी और उसके साथ संभावित गठबंधन बनाने की उम्मीद कर रही बहुजन समाज पार्टी को आगामी चुनाव में काफी नुकसान पहुंच सकता है।

## एक पुलिसकर्मी ऐसा भी संस्था बनाई 'सेवा ही धर्म'

लखनऊ। मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली विवेक तिवारी हत्याकांड में सिपाही प्रशान्त कुमार और संदीप का नाम आने की वजह से शर्मसार उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे की आन–मान बनाये रखने के लिये एक पुलिसकर्मी की गरीबों की सेवा के लिये किये जा रहे सराहनीय काम काफी राहत पहुंचाने वाला है। वह पुलिसकर्मी गरीबों को जनसहयोग से भोजन, कपड़े, जूते, चप्पल, दवा, साबुन, ब्रश, मंजन, तेल जैसी दैनिक उपयोग की जरूरी चीजें उपलब्ध करवा रहा है। इस काम में व्यापक समय लगने के बावजूद वह अपनी ड्यूटी भी मुस्तैदी से करते हैं। उनका कहना है कि पुलिस की सख्त ड्यूटी के बीच वह सामाजिक काम के लिये समय निकाल ही लेते हैं। उन्होंने सामाजिक काम के लिये सरकारी मदद नहीं लेने का संकल्प ले रखा है। इस सेवा को लम्बे समय तक चलाने के लिये उन्होंने ..हम हैं न.. नामक संस्था का बाकायदा पंजियन कराया है। 'हम हैं न' के लिये (शेष पृ. 7 पर). . .

## जेटली के चैलेंज से फंसे विपक्षी नेता

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर विपक्ष सख्त तेवर अख्तियार कर मोदी सरकार को घेरने में जुटा हुआ था. ऐसे में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति लीटर की कटौती का ऐलान कर दिया.

मोदी सरकार की घोषणा के बाद ही बीजेपीध्एनडीए शासित कई राज्यों ने पेट्रोलियम उत्पादों पर राज्य स्तरीय वैट कर में 2.50 रुपये (शेष पृ. 7 पर). . .

## सस्ते हुए पेट्रोल–डीजल के दाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने तेल के दामों के ऐतिहासिक ऊंचाई छूने से परेशान उपभोक्ताओं को गुरुवार को राहत देते हुए पेट्रोल–डीजल की कीमतों में ढाई रुपये प्रति लीटर की कटौती की ऐलान किया। इसी बीच अखिलेश यादव ने पेट्रोल के गिरे दामों पर ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है।

**अखिलेश यादव ने पेट्रोल के गिरे दामों पर ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है**

अखिलेश ने ट्वीट किया कि, 'आज सरकार का ये झूठ सामने आ गया कि पेट्रोल–डीजल पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। मुनाफाख़ोर भाजपा '25 रुपये बढ़ाओ, 2.5 रुपये घटाओ' के फार्मूले पर चलकर जनता का शोषण कर रही है। चुनाव आते ही ये कुछ समय के लिए दाम घटाने का नाटक करते हैं। अब तो भाजपा समर्थक भी ठगा महसूस करने लगे हैं।

आज सरकार का ये झूठ सामने आ गया कि पेट्रोल–डीजल पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है. मुनाफाख़ोर भाजपा '25 रुपये बढ़ाओ, 2.5 रुपये (शेष पृ. 7 पर). . .

## मायावती का राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रिमो सुश्री मायावती ने लोकसभा चुनावों से पूर्व विपक्षी गठबंधन को करारा झटका देते हुए इस साल के अन्त में राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा एक निजी चौनल को दिए साक्षात्कार में मायावती पर विपक्षी गठबंधन से भयभीत होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों एवं इडी की जांच के दबाव में है।

इसके बाद मायावती ने

क्षुब्ध होकर बुधवार को जारी बयान में कहा कि कांग्रेस के साथ राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में गठबंधन नहीं हो सकता और उनकी पार्टी दोनों राज्यों में सभी विधानसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

उन्होंने दावा किया कि बसपा देश की राजनीति में बदलाव लाने की शक्ति रखती है, लेकिन कांग्रेस उसको गठबंधन में कम सीटे देकर कमजोर करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बसपा को समाप्त करने का प्रयास कर रही है।

बसपा ने चुनावों से पहले ही पिछले महिने छत्तीसगढ के जनजाति के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की जनता कांग्रेस (छत्तीसगढ) गठबंधन किया है।

# उल्टा पड़ा 'एम्बुलेंस' से सीएम योगी को घेरने का दांव

लखनऊ। राजनेता एक-दूसरे को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ते। विपक्षी दल की एक भी गलती दिखाई देते है उसकी फायदा उठाने लपक पड़ते हैं। हालांकि, इंटरनेट और खासकर फेक न्यूज के समय में यह जल्दबाजी कई बार उन्हें भारी पड़ जाती है। इसी का शिकार हुए हैं कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह। इंटरनेट पर एक तस्वीर देखकर उन्हें लगा कि उन्हें उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार और सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना लगाने का मौका मिल गया, लेकिन उनका यह दांव उन पर ही उल्टा पड़ गया।

दरअसल, दिग्विजय ने 2 अक्टूबर को अपने ट्विटर हैंडल

पर एक तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में कई ऐंबुलेंस एक मैदान में खड़ थीं, जिनपर जंग लगी थी। दिग्विजय ने साथ में लिखा था- श्ये उत्तर प्रदेश की हालत क्या कर दी योगी जी ने, अखिलेश यादव जी द्वारा चलवाई गई 108, 102 ऐंबुलेंस खड़ी जंग खा रही है और जनता अपने बीमार परिजनों को ठेलों पर अस्पताल ले जा रही है। हालांकि, ट्विटर यूजर्स ने दिग्विजय की गलती पकडने में देर नहीं लगाई और फोटो का फेक साबित कर दिया। दरअसल, जो तस्वीर दिग्विजय ने शेयर की है वह उत्तर प्रदेश की नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश की है। यहां तक कि जूम करने पर ऐंबुलेंस के ऊपर तेलुगु में लिखा हुआ दिखाई दे रहा है। गूगल इमेज सर्च से पता चलता है कि यह किसी स्थानीय पोर्टल की ली हुई तस्वीर है। धीरे-धीरे यह सोशल मीडिया पर फर्जी मेसेज के साथ फॉरवर्ड की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ जगहों पर यही फोटो मध्य प्रदेश का बताकर शिवराज सिंह चौहान पर हमला किया गया है।

# सीबीआई ने इनकम टैक्स इंस्पेक्टर को किया रंगे हाथ गिरफ्तार

**चार्टर्ड एकाउंटेंट भी हिरासत में**

लखनऊ । सीबीआई ने बुधवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित कसमंडा अपार्टमेंट से आयकर निरीक्षक और चार्टर्ड एकाउंटेंट को 10 लाख की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार एंटी करप्शन ब्यूरो की एक टीम ने इनकम टैक्स इंस्पेक्टर धर्मशील अग्रवाल को शिकायतकर्ता प्रत्यूष कुमार मिश्रा से 10 लाख रुपए की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इसके अलावा सीबीआई टीम ने धर्मशील के

दो फ्लैटों से करोड़ों रुपए की नकदी, ज्वैलरी व अन्य कीमती समान बरामद किए हैं। दरअसल प्रत्यूष कुमार मिश्रा ने शिकायत की थी कि इनकम टैक्स इंस्पेक्टर की तरफ से 10 लाख रुपए की घूस मांगी गई थी। उसकी एफडीआर सीज हो गई थी, जिसे वह कह रहे थे कि घूस देने पर रिलीज कर देंगे। इसके अलावा और भी नियम विरुद्ध सहायता का दावा कर रहे थे। मामले में सीबीआई ने बुधवार शाम को ट्रैप लगाया। इस दौरान प्रत्यूष से पैसे लेने की डील कसमंडा अपार्टमेंट के बी 406 में तय हुई। जैसे ही प्रत्यूष ने रुपए धर्मशील को पकड़ाए, मौके पर सीबीआई टीम ने छापा मार दिया और जांच के (शेष पृ. 7 पर). . .

## संक्षिप्त समाचार

### यूपीटेट के आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

लखनऊ। यूपी बेसिक एजूकेशन बोर्ड ने शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ाकर 7 अक्टूबर कर दी है। पिछले कई दिनों से टीईटी की वेबसाइट upbasiceduboard. gov. in में आई तकनीकी दिक्कतों के चलते सरकार ने आवेदन की आखिरी डेट बढ़ाने का फैसला किया है। अब उम्मीदवार 7 अक्टूबर तक ऑनलाइन तक आवेदन कर सकेंगे। जबकि 8 अक्टूबर तक फीस जमा करा सकेंगे।

इस पहले यूपीटेट 2018 की समयसारिणी के अनुसार ऑनलाइन ररिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 4 अक्टूबर थी और 5 (शेष पृ. 7 पर). . .

### श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर पलटी

लखनऊ। चित्रकूट जिले के कोतवाली क्षेत्र के भंवरी गांव में श्रद्धालुओं से भरी एक बस निर्माणाधीन पुलिया के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 35 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी श्रद्धालु मध्यप्रदेश के विदिशा और सागर जिले के बताए जा रहे हैं, जो चित्रकूट से इलाहाबाद जा रहे थे।

खबरों के अनुसार चित्रकूट कोतवाली क्षेत्र के भंवरी गांव में निर्माणाधीन पुलिया तरकहवा के पास गुरुवार सुबह हाइवे पर 64 (शेष पृ. 7 पर). . .

### कुंभ मेला की एएसपी बनी मोनिका चड्ढ

लखनऊ यूपी में अपर पुलिस अधीक्षक बदले, कुंभ मेला की एएसपी बनी मोनिका चड्ढा उत्तर पुलिस पुलिस की कानून व्यवस्था को सुद्रण करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक ने तीन अपर पुलिस अधीक्षक के ट्रांसफर किये गये, दो अधिकारीयों के ट्रांसफर स्थगित करते हुए बदले गए जबकि अपर पुलिस अधीक्षक वोमेन पावर लाइन 100 मोनिका चड्ढा को कुंभ मेला का एएसपी नियुक्त किया गया है.

### बच्चों को पिला दी गई पी-2 वायरस वाली वैक्सीन, हड़कंप

लखनऊ। बायोमेड कंपनी की पोलियो वैक्सीन में पी-2 वायरस पाए जाने के बाद प्रदेश में इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। इस कंपनी की वैक्सीन को प्रतिबंधित करते हुए पूरे प्रदेश में दूसरी कंपनियों की वैक्सीन आपूर्ति की जा रही है।बच्चों को पिला दी गई पी-2 वायरस वाली वैक्सीन, खुलासा होते ही स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

दरअसल, प्रदेश में पोलियो वैक्सीन की आपूर्ति बायोमेड सहित पांच कंपनियां करती हैं। कुछ बच्चों के मल में पी-2 वायरस पाए जाने के बाद जब वैक्सीन की जांच हुई तो पता चला कि बायोमेड कंपनी की वैक्सीन में पी-2 वायरस है।

# गोल्ड मेडलिस्ट सुधा सिंह ने कहा - मुझे पैसे नहीं, नौकरी चाहिए

लखनऊ। एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी सुधा सिंह ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले 30 लाख के चेक को लेने से मना कर दिया। जब सुधा मंच पर पदक लेने पहुंची तो उन्होंने सीएम योगी से कहा- पूरी इनामी राशि वापस ले लीजिए, बस यूपी में एक नौकरी दे दीजिए।

इस पर मुख्यमंत्री ने सुधा को इनामी राशि का चेक देते हुए कहा कि यह तो तुम्हारा अधिकार है। जहां तक नौकरी का सवाल है तो इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। नौकरी जरूर मिलेगी। अवध शिल्प ग्राम में आयोजित सम्मान समारोह में राज्यपाल राम नाईक भी मौजूद थे।

खेल मंत्री चेतन चौहान ने कहा कि सरकार सभी खिलाड़ियों को राज्य सरकार में नौकरी देने के प्रति गंभीर है लेकिन, नियमों के तहत ही नियुक्तियां दी जाएंगी। उप निदेशक प्रमोशन का पद है। इस पर सीधे नियुक्ति नहीं दी जा सकती है। नियमों के तहत ही सुधा सिंह को नौकरी दी जाएगी।

# डीजीपी ओपी सिंह को चुनौती देने वाले एटा के सिपाही सर्वेश चौधरी निलंबित

लखनऊ विवेक हत्याकांडरू सिपाही सर्वेश ने लिखा था, मैंने दिए हैं सिपाही को पैसे, मुझे बर्खास्त करो फिर डीजीपी ने किया ये आदेश! विवेक तिवारी हत्याकांड के बाद आरोपी सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सोशल मीडिया पर डीजीपी ओपी सिंह को चुनौती देने वाले एटा के सिपाही सर्वेश चौधरी को निलंबित कर दिया गया है. उसके खिलाफ विभागीय जांच का भी आदेश दिया गया है. साथ ही सोशल मीडिया पर फोर्स के खिलाफ आक्रोश पैदा करने वाले अभियान में शामिल सिपाहियों के खिलाफ अनुशासनात्मक

कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं. इतना ही नहीं सिपाहियों को भड़काने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है. डीजीपी मुख्यालय ने बर्खास्त सिपाहियों के संगठनों द्वारा शुक्रवार को काला दिवस मनाने को लेकर भी अलर्ट जारी किया है. गुरुवार को डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से असंतोष फैलाने का प्रयास किया जा रहा है. इसमें कुछ बर्खास्त और सेवारत सिपाहियों के शामिल होने की जानकारी मिली है. इसमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जो फर्जी आईडी से खुद को पुलिस बताते हुए सोशल मीडिया पर भड़काऊ (शेष पृ. 7 पर). . .

# कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सार्वजनिक की योगी सरकार से नाराजगी

लखनऊ। यूपी की राजनीति में जल्द ही नया समीकरण देखने को मिल सकता है. राज्य में योगी सरकार से नाराज कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही है. सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने 27 अक्टूबर को अपनी पार्टी के समर्थकों की रैली बुलाई है. लखनऊ के रमाबाई अम्बेडकर रैली स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि पिछड़ों के 27 फीसदी आरक्षण में वो अतिपिछड़ी जातियों के लिए अलग से कोटे की मांग कर रहे हैं. 18 महीने से सरकार और BJP हाईकमान मांग मानने का वादा कर रहा है लेकिन मांग पूरी नहीं हुई.

कहा जा रहा है कि ऐसे में अब उनके पास कोई विकल्प नहीं है, लिहाजा 27 अक्टूबर को वो BJP से सभी रिश्तों को खत्म करके सरकार से (शेष पृ. 7 पर). . .

# मेरठ के किठौर में आसमान उड़ते प्लेन से यूपी में गिरी ऐसी चीजें, मच गई भगदड़

लखनऊ। मेरठ के किठौर इलाके के माछरा गांव में खेतों में काम कर रहे किसान बुधवार को अचानक आसमान की दृश्य देखकर हैरत में पड़ गए।

दिल्ली की ओर से आ रहे एक हवाई जहाज के ठीक नीचे अचानक आग के गोले फूटे जा रहे थे जिनमें धमाके के बाद नीली चिंगारियों से घिरी आग जमीन पर गिरती दिखती थीं।

आसमान से गुजर रहा एक हवाई जहाज यहां की आबादी के लिए नुकसानदायक साबित हुआ है। हवाई जहाज से जलते हुए शोले आबादी वाले इलाके पर गिरे और एक मकान की छत जलकर स्वाहा हो गई। घर में खड़ी एक कार में भी इन शोलों के गिरने से आग लग गई। फोरेंसिक टीम की जांच में

इन दोनों जगहों पर ज्वलनशील पदार्थ होने की पुष्टि हुई है।

यह हवाई जहाज जब गांव के ऊपर से गुजरा तब भी यह प्रक्रिया जारी रही। आग के कुछ शोले गांव के एक मकान और उसके पास में खड़ी कार पर भी गिरे। लकड़ी और फूस से बनी मकान की छत शोलों के गिरने से लगी आग की वजह से जलकर स्वाहा हो गई। शेखर की कार के अगले हिस्से में लगी आग को लोगो ने पानी डालकर बुझाया।

आसमान ने आग गिरने से पूरे गांव में हड़कंप का माहौल हो गया। पुलिस को सूचना दी गई तो थाना पुलिस के निरीक्षण के बाद मौके पर पुलिस की फोरेंसिक टीम पहुंची। करीब घंटे भर की मशक्कत के बाद पुलिस ने आसमान से गिरे अवशेष बरामद किये। अवशेषों की शक्ल जले हुए तारों से कनैक्ट किसी पुर्जे जैसी है।

इनसे जुड़ा एक प्लास्टिक का रैपर भी मिला है जिस पर Warning Explosive लिखा होने की पुष्टि हो रही है। यह रैपर गांव के नरेश त्यागी के मकान की छत में लगी आग की राख से बरामद किया गया।

# युवक को किडनैप कर कराया जबरन खतना, धर्म परिवर्तन का भी आरोप

लखनऊ। कोतवाली उरई के अन्तर्गक अराजक तत्वों ने जबरदस्ती बन्धक बनाकर घर से अपहरण का मुस्लिमों का मौलवियों ने एक युवक कों धर्म परिवर्तन करा दिया।

जिससे आहत होकर विश्व हिन्दु परिषद के लोगों ने तत्काल कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर लिखित ज्ञापन पुलिस अधीक्षक को सौपा।

एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार ज्ञापन मे बताया कि शीलू दोहरे पुत्र दयाराम दोहरें निवासी लहारियापुरवा डूडा कालौनी उरई का कुछ अराजक मुस्लिमों व मोलवियों ने जबरदस्ती बंधक बनाकर घर से अपहरण कर लिया और कई दिनों तक बजरिया उरई में प्रबंधक बनाकर रखा एवं जबरन खतना भी करवा दिया तथा जबरदस्ती प्रतिदिन नवाज भी पढवाई गई एवं जबरन धर्म परिवर्तन भी करवा दिया गया।

ऐसे धर्म परिवर्तन कराने वालों का विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, विश्व हिन्दू महांसघ, हिन्दू युवा वाहिनी एवं समस्त हिन्दू संगठन जनपद जालौन खुलेआम घोर निन्दा करते है एवं विरोध करते है और शासन प्रशासन से मांग की गई है कि ऐसे अराकजक तत्वों के खिलाफ रिपोर्ट पंजीकृत कर तत्काल कठोर से कठोर कार्यवाही कर दोषियों को जेल भेजा अन्यथा की स्थिति में समस्त हिन्दू संगठन धरना प्रदर्शन, चक्काजाम एवं आन्दोलन के लिए बाध्य होगे जो शासन प्रशासन की जिम्मेदारी होगी। इस मोके पर ज्ञापन देने में प्रमुख रूप सें इन्द्रपाल सिंह, शीलू दोहरें, बलवीर सिंह जादौन, मनुरात तिवारी, सुधीर शर्मा, ओंकार सिंह सेगर, राज कुमार, राजेश शाहू, मोनू पंडित, रवि कुमार, हेमन्त राज, सत्यम, शिवम, गोलू प्रभाकर, पियूष, रोहित, शुभाष, मनोज, अभिषेक कुमार, वीरू आदि लोग मोजूद रहें।

# सना खान के मेडिकल रिपोर्ट से विवेक तिवारी केस में आया नया मोड़

लखनऊ। एपल के एरिया सेल्स मैनेजर विवेक तिवारी की हत्या में एकमात्र चश्मदीद सना खान का आज लखनऊ में मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना बयान देंगी। लखनऊ में सना खान ने फिलहाल अपने को गोमतीनगर के विनय खंड में खुद को कमरे में बंद कर रखा है।

विवेक तिवारी हत्याकांड की चश्मदीद सना खान का आज मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज किया जाएगा। मामले की विवेचना कर रहे इंस्पेक्टर महानगर विकास कुमार पांडेय ने बुधवार को मजिस्ट्रेट से बयान दर्ज करने का समय मांगा।

एसआइटी प्रभारी आइजी सुजीत पांडेय के मुताबिक कलम बंद बयान के बाद कई बातें स्पष्ट हो जाएंगी। सीसी कैमरे खंगालने के लिए दो टीमें

बनाई गई हैं। एसआइटी ने बुधवार देर शाम बैठक कर कई बिंदुओं पर चर्चा की। सना ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि घटना की रात आरोपित सिपाहियों में से संदीप ने उन्हें लाठी से मारा था। सना खान ने हाथ पर लगी चोट भी एसआइटी को दिखाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सना के इस बयान के बाद अधिकारी हरकत में आ गए और उन्होंने फौरन उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा था। मेडिकल रिपोर्ट में सना के चोट की पुष्टि भी हुई है। ये बेहद ही चौंकाने वाली बात है कि पुलिस सिपाहियों ने सना के साथ भी मारपीट की।

एसआइटी ने बुधवार को गोमतीनगर विस्तार और सना के बताए गए उन सभी मार्गो पर लगे सीसी कैमरों की पड़ताल की। एसआइटी इस बारे में पता लगा रही है कि विवेक और सना किस रास्ते घटना स्थल तक पहुंचे थे। छानबीन में पुलिस टीम को घटना स्थल पर लगे एक कैमरे से अहम सुराग मिले हैं। फुटेज में एक कार और बाइक जाते हुए दिखी है।

टीम अब इस बारे में पता लगा रही है कि वह कार विवेक की है या किसी और की। सूत्रों का कहना है कि फुटेज में विवेक और आरोपित सिपाहियों की गाड़ी कैद मिली है। हालांकि इस बारे में अधिकारी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रहे हैं।

# पान मसाला उधार न देने पर दुकानदार को पीट-पीटकर मार डाला

लखनऊ। हरदोई जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां बेनीगंज कोतवाली के ग्राम जलालपुर में बुधवार की रात पान मसाला उधार न देने पर परचून के दुकानदार को पीट-पीटकर मार डाला। इस मामले में आरोपी दर्शन और उसके दो पुत्र तथा बहू मौके से फरार हो गए हैं।

पुलिस के अनुसार ग्राम जलालपुर निवासी वेदनाथ उर्फ विदई (50) पुत्र चक्कर गांव में ही लकड़ी के खोखे में परचून की दुकान चलाता था। उसकी दुकान पर पान मसाला भी बिकता है। बुधवार की रात लगभग आठ बजे गांव निवासी दर्शन दुकान पर पहुंचा और वेदनाथ से पान मसाला देने को कहा। इस पर वेदनाथ ने रुपये मांगे तो दर्शन ने उधार में पान मसाला देने को कहा।

वेदनाथ ने उधार पान मसाला देने से इंकार कर दिया। इस पर दर्शन ने वेदनाथ को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान दर्शन के पुत्र पिंटू, सोनू व उसकी पत्नी कुसुमा भी मौके पर पहुंच गईं। दर्शन के साथ पिंटू, सोनू व कुसुमा ने भी वेदनाथ को लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में वेदनाथ मौके पर गिर गया और उसकी मौत हो गई। चारों आरोपी मौके से फरार हो गए। शोर गुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। बेनीगंज के कोतवाल सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि उधार पान मसाला न देने पर लाठी-डंडों से पीट पीटकर वेदनाथ की हत्या की गई है। फिलहाल शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में भेजा जा रहा है।

# प्रदेश में 40 प्रतिशत सांसदों के टिकट काट सकती है बीजेपी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी जन अपेक्षाओं पर खरा न उतरने वाले सांसदों को लोकसभा चुनाव में मौका नहीं देगी। इससे तो तय है कि प्रदेश से करीब 40 फीसद सांसदों के टिकट कट सकते हैं लेकिन,

**मंत्री और विधायकों के नाम पर भी सहमति नहीं बन पा रही है।**

दिलचस्प यह है कि 2019 के लिए मंत्री और विधायकों के नाम पर भी सहमति नहीं बन पा रही है। उम्मीदवार चयन में भाजपा इस बार लोकप्रियता के पैमाने पर कोई समझौता नहीं करेगी और क्षेत्र में जमीनी स्तर पर काम करने वालों को ही प्राथमिकता मिलेगी।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारी की दृष्टि से आंतरिक और वाह्य दोनों स्तर पर किलेबंदी शुरू की है। चुनावी समर के लिए बूथों से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक फौज तैयार हो रही है। पार्टी ने लोकसभा संचालन टोलियों के जरिये संभावित उम्मीदवारों के नाम पर मंथन से लेकर विपक्ष को पटखनी देने के नुस्खे पर भी काम शुरू किया है। मुरादाबाद से 26 सितंबर से शुरू हुई भाजपा की लोकसभा संचालन टोलियों की बैठक कल ही गोरखपुर में समाप्त हो गई।

मुरादाबाद में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेंद्र यादव ने बैठक ली जबकि गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। मुरादाबाद और गोरखपुर के अलावा गाजियाबाद, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, बरेली, बांदा, झांसी, कानपुर,

गोंडा, सीतापुर, लखनऊ, फैजाबाद, वाराणसी, मीरजापुर, इलाहाबाद, बलिया और बस्ती में भी बैठक हुई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, कहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा ने बैठकों में पहुंचकर संभावनाओं और चुनौतियों पर मंथन किया। सार्वजनिक तौर पर इन बैठकों में लोकसभा चुनाव की तैयारी, सपा-बसपा-कांग्रेस के संभावित गठबंधन से मुकाबला और लोकसभा स्तर पर विकास योजना और समस्याओं को लेकर चर्चा हुई लेकिन, पार्टी के शीर्ष नेताओं ने लोकसभा चुनाव में उतारे जाने वाले उम्मीदवारों के बाबत विचार परिवार, पदाधिकारियों और लोकसभा प्रभारी व प्रमुख के मन की अलग-अलग टोह ली।

भाजपा ने 2014 और 2017 के चुनाव में पिछड़ा और अनुसूचित जाति के संतुलन के साथ ही टिकट बंटवारे में सवर्णों को भी तरजीह दी थी। इस बार भी टिकट बंटवारे में जातीय संतुलन रहेगा। पर, इसमें क्षेत्रवार संतुलन साधने पर भी बल दिया जा रहा है। भाजपा ने मन बनाया है कि जिस जाति के सांसद का टिकट कटेगा, उस जाति के ही उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाएगा। अगर परिस्थितिवश संबंधित सीट पर मौका नहीं दिया जा सका तो दूसरी सीट पर समायोजन होगा।

# मंदबुद्धि महिला से गैंगरेप, हत्या का भी प्रयास

लखनऊ। शाहजहाँपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अजीजगंज निवासी महिला नग्न अवस्था घायल पड़ी मिली सूचना मिलने पर परिजनों ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां महिला का इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला अजीजगज निवासी आकाश की पत्नी अन्जली की शादी सात वर्ष पूर्व कासगजं फरूखाबाद से हूयी आकाश के अनूसार शादी से ही अन्जली पागलो वाली हरकते करती थी जिसका कई बार जिक्र उसके माता पिता से किया लेकिन इसी बीच एक सन्तान पैदा हूयी और मामला एसे ही चलता रहा लेकिन बीती रात आकाश और अन्जली का फिर विवाद हूआ और अन्जली आधी रात घर से भाग गयी आकाश के अनूसार रातभर तलाश किया इसी बीच सूबह लोगो से पता लगा कि एक महिला नग्न अवस्था मे पूल

**आधी रात घर से भाग गयी थी महिला रातभर तलाश किया गया इसी बीच सुबह लोगो से पता लगा कि एक महिला नग्न अवस्था मे पूल के नीचे पड़ी है परिजनों के पहुंचने पर अन्जली नग्न अवस्था मे पड़ी थी जिसकी सूचना पुलिस को दी**

के नीचे पड़ी है परिजनों के पहुंचने पर अन्जली नग्न अवस्था मे पड़ी थी जिसकि सूचना पुलिस को दी!।

इसी बीच जब मीडिया कर्मी मौके स्थल पर आकाश को लेकर पहुंचे तो वहाँ अन्जली कि चूड़िया और कच्ची शराब कि पन्नियां और नशीले इन्जैक्शन के साथ सिरिंज भी पाई गयी जिस्से यह आभास हूआ कि अन्जली के साथ नशेड़ीयो ने किया गैंगरेप ।

और पत्थर उठाकर सर पर मार दिया जिस्से वह घायल हूयी जो इस समय जिला अस्पताल मे भरती जबकि महिला के मायके वालों ने पुलिस को तहरीर देकर पति पर प्रताड़ना देने का आरोप लगाया है। जब इस बारे में सी ओ सिटी सुमित शुक्ला से जानकारी ली गयी तो उन्होंने बताया महिला के मायके वालों ने तहरीर दी है पति के खिलाफ महिला का मेडिकल कराया जाएगा उंसके आधार पर जांच करके शख्त करवाई की जाएगी।

# वाराणसी : होमी भाभा कैंसर अस्पताल में रेलकर्मियों का होगा नि:शुल्क इलाज

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अब होमी भाभा कैंसर अस्पताल में रेलकर्मियों का मुफ्त इलाज हो सकेगा। इस अस्पताल के बन जाने से वाराणसी, गाजीपुर, मऊ, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, इलाहाबाद, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ के साथ ही तटवर्ती प्रदेशों के मरीज भी इसका लाभ ले सकेंगे।

पूर्वांचल के लगभग 25 हजार रेलकर्मियों को इसका फायदा होगा। पूवरेत्तर रेलवे के एडीआरएम वी. के. श्रीवास्तव और टाटा मेमोरियल डिप्टी डायरेक्टर (ओएसबी) डॉ.नारायण एच.के. वी. के बीच इसको लेकर एमओयू साइन होने के बाद रेलकर्मियों को यह सुविधा मिली है।

रेल के विभिन्न संगठनों ने इस पर खुशी जताई है। सालभर पहले रेलवे के कैंसर अस्पताल का अधिग्रहण टाटा मेमोरियल ने कर लिया था। रेल कर्मचारियों को उम्मीद थी कि उनको प्राथमिकता देने के साथ ही यहां मुफ्त इलाज भी होगा पर उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया था। विरोध के बाद कर्मचारियों की मांग को मान लिया गया। अब रेल कर्मचारियों का कैशलेस इलाज यहां होगा।

जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि मरीजों को इसका लाभ मिलना शुरू हो गया है। देश के किसी भी हिस्से में कार्यरत रेल कर्मचारी को मरीज से जुड़ी सभी रिपोर्ट लेकर पूवरेत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के सीएमएस के पास आना होगा। यहां मरीज की हालत पर उसे कैंसर अस्पताल में रेफर किया जाएगा।

पहले एक लाख का कैशलेस इलाज होगा और बाद में मरीज की हालत और सुधार के आधार पर सीएमएस कैशलेस की सीमा बढ़ा सकते हैं। पांच लाख या उससे ज्यादा तक का मुफ्त इलाज यहां हो सकेगा। रेल कर्मचारी को अपना मेडिकल कार्ड भी साथ लाना आवश्यक होगा। हालांकि, यह सुविधा बेड की उपलब्धता पर आधारित होगा।

## अध्यक्ष पद पर समाजवादी छात्र सभा के प्रत्याशी उदय की हुई जीत

इलाहाबाद। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ

चुनाव में अध्यक्ष पद पर एक बार फिर समाजवादी छात्रसभा के प्रत्याशी की जीत हुई है. समाजवादी छात्र सभा के उम्मीदवार उदय प्रकाश यादव सेंट्रल यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के नये अध्यक्ष चुने गए हैं. छात्रसंघ के इस चुनाव में एबीवीपी को एक बड़ा झटका लगा है. छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी को सिर्फ महामंत्री पद पर जीत हासिल हुई है।

# भाजपा पार्षद पर हमले से आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने थाने का किया घेराव

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पार्षद हर्षित दीक्षित पर हमले से आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार की सुबह हुसैनगंज थाने का घेराव कर दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने क्षेत्राधिकारी, निरीक्षक, उपनिरीक्षकों के सामने ही यूपी पुलिस मुर्दाबाद के नारे भी लगाये। हुसैनगंज थाना क्षेत्र में उदयगंज इलाके में भोर तीन बजे के करीब पार्षद हर्षित दीक्षित के मकान के सामने सो रहे आटो चालक मनोज मिश्रा को उन्हें डाटकर वहां से जाने को कहा तो मनोज ने ईंट से पार्षद पर हमला कर दिया। इससे पार्षद हर्षित का सिर फट गया। उन्होंने घटना के सम्बन्ध में स्थानीय थाने पर फोन से सूचना दी। जानकारी होते ही मौके पर आयी हुसैनगंज थाने की पुलिस ने पार्षद की तहरीर पर आरोपी मनोज मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मनोज के विरुद्ध धारा 307 के तहत जानलेवा हमला करने का मुकदमा पंजीकृत किया है। पार्षद हर्षित दीक्षित पर हमले की खबर सुबह भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं को हुई तो वे हुसैनगंज थाने पहुंच गये और वहां नारेबाजी करने लगे। जब हजरतगंज के क्षेत्राधिकारी अभय कुमार थाने पर पहुंचकर भाजपा के कार्यकर्ताओं को समझाया। हुसैनगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक ने आनन्द प्रकाश शुक्ला ने बताया कि पार्षद पर हमले का आरोपी मनोज मिश्रा को गिरफ्तार लिया गया है। यह घटना भोर में तीन बजे हुई है। आरोपी के हमले में पार्षद के सिर पर गम्भीर चोट लगी है। इसके लिए आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत गिरफ्तारी की गयी है।

## संक्षिप्त समाचार

### संतों का अल्टीमेटम, मंदिर के लिए कानून बनाए सरकार

नई दिल्ली। अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भव्य राममंदिर के निर्माण के लिए आंदोलनरत संतों एवं धर्माचार्यों ने सरकार से इस मामले में तुरंत कानून बनाकर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने की मांग की है और इसी माह से देशभर में इस मुद्दे को लेकर जनजागरण अभियान चलाने की घोषणा की है। विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में देश के बड़े साधु संतों एवं धर्माचायरे के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से भेंट की और उनसे अनुरोध किया कि वह सरकार को कहें कि अब कानून बनाकर रामजन्मभूमि पर भव्य राममंदिर बनाने का मार्ग प्रशस्त कराए। उन्होंने कहा कि 1950 से न्यायपालिका में यह मामला लंबित है और विरोधी पक्ष मूल मुकदमे की सुनवाई टालने के लिए हर प्रकार की चालें चलते आए हैं।

### आईवीएफ को 70 से अधिक मरीजों ने करायी जांच

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित सहारा हॉस्पिटल में आयोजित आईवीफ से सम्बंधित निःशुल्क जांच शिविर में सत्तर से अधिक मरीजों ने उपचार मिला। इस अवसर पर सहारा रेनबो आईवीफ के एक्सपर्ट कंसलटेंट विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श दिया गया और डाक्टर की सलाह पर मुफ्त अल्ट्रासाउंड व सीमेन एनालिसिस की जांच की गयी। शिविर में सहारा रेनबो आईवीफ सेवा की एक्सपर्ट डा. जयदीप मल्होत्रा, सहारा हास्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति विगाध्यक्ष डा. अंजलि सोमानी, स्त्री व प्रसूति विभाग की सीनियर कन्सलटेन्ट डा. मंजूषा, सीनियर कन्सलटेन्ट डा. नीलम विनय ने परामर्श दिया।

### आरोप पत्र दाखिल न करने पर एसएसपी से रिपोर्ट तलब

लखनऊ। विशेष जज मुकेश कुमार सिंह ने भ्रष्टाचार के एक मामले में एक प्राइवेट व्यक्ति के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने व इसके एक साल बाद भी अभियुक्त लोकसेवकों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल न करने पर एसएसपी को पत्र जारी कर रिपोर्ट तलब की है। थाना ठाकुरगंज से संबधित इस मामले में चार मई, 2017 को सीओ चौक ने सिर्फ अभियुक्त अकील अंसारी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। 30 जून को इस पर संज्ञान लेते हुए उसके खिलाफ आरोप तय हुआ जबकि वह लोकसेवक नहीं है लेकिन इस मामले की एफआईआर में नामजद क्राइम ब्रांच के पुलिसकर्मियों के खिलाफ विवेचना अभी जारी है।

## दहेज में बाइक न मिलने पर शौहर ने सऊदी अरब से फोन पर दिए तीन तलाक

लखनऊ। बहराइच में दहेज की मांग पूरी नहीं करने पर एक महिला को सऊदी अरब में रह रहे उसके पति ने फोन पर श्तीन तलाकश दे दिया।

पुलिस अधीक्षक सभाराज सिंह ने बताया कि रूपईडीहा क्षेत्र की रहने वाली नूरी (20) ने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज करायी है। उसने कहा कि एक साल पहले उसकी शादी रूपईडीहा के ही नई बस्ती के रहने वाले चांद बाबू से हुआ थी। शादी के एक हफ्ते बाद से उससे दहेज में मोटरसाइकिल और 50 हजार रुपये की मांग की जाने लगी।

नूरी ने आगे बताया कि शादी के कुछ महीने बाद उसका शौहर काम के सिलसिले में सऊदी अरब चला गया। उसके बाद उसकी सास और ननद दहेज की मांग को लेकर कर उसे प्रताड़ित करने लगीं।

उसने आरोप लगाया कि बीते 10 सितंबर को नूरी की

सास राबिया, ननद मीना ने फिर से दहेज की मांग की। उसी दिन चांदबाबू ने भी मोबाइल फोन पर वही मांग दोहरायी। नूरी के असमर्थता जताने पर चांदबाबू ने उसे फोन पर ही तीन तलाक दे दिया, जिसके बाद उसे घर से निकाल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बुधवार शाम आरोपी पति, सास तथा ननद के खिलाफ मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अध्यादेश (धारा 314), दहेज अधिनियम (धारा तीन एवं चार) तथा मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

## एसजीपीजीआई में तैनात अभियंता का अपहरण

लखनऊ। एसजीपीजीआई में तैनात अधिशासी अभियंता का अपहरण कर पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी गयी है। एसपी नार्थ विक्रांत वीर ने बताया कि पीजीआई कैंपस में अधिशासी अभियंता जीएस अनूप पत्नी कुमुद अनूप के साथ रहते हैं। 4 सितम्बर को वह कार से अस्पताल के लिए निकले थे, तब से उनसे सम्पर्क नहीं हो सका। पीजीआई थाने में पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी गई। पीजीआई पुलिस को सुराग नहीं मिला। इस बीच जीएस अनूप के एक परिचित गाजियाबाद निवासी विवेक शुक्ला के पास फोन आया, उसने कहा कि इटावा जेल में बंद उसके दो साथियों राजकुमार और सेवाराम अनूप के सम्पर्क में हैं। अगर वह लोग उसे बचाना चाहते हैं तो पांच लाख रुपये फिरौती देनी होगी।

**लखनऊ शूटआउट :**

## हत्यारोपी ने कहा हादसे के बाद भागा नहीं था

लखनऊ। एप्पल के एरिया सेल्स मैनेजर विवेक तिवारी की हत्या का सच ढूंढने में जुटी एसआईटी ने गुरुवार को जेल में बंद सिपाहियों के बयान दर्ज किए। कई घंटे चली पूछताछ में सिपाही प्रशांत चौधरी ने 28 सितम्बर की रात को हुई घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

प्रशांत ने विवेक तिवारी को गोली मारने के बाद मौके से भागने की बात को खारिज किया है। प्रशांत ने बताया कि उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई थी। लिहाजा वह गाड़ी का पीछा नहीं कर पाया। बकौल प्रशांत उसने घटना के तुरंत बाद अधिकारियों को फोन करके जानकारी दी थी। बाद में अधिकारियों ने उसे थाने भिजवा दिया था और सुबह उसका मेडिकल करवाया गया।

आईजी रेंज सुजीत पाण्डेय के आदेश पर स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम में शामिल अधिकारी गुरुवार को जेल पहुंचे। वहां उन्होंने सीआरपीसी 161 के तहत हत्यारोपी सिपाही प्रशांत चौधरी के बयान दर्ज किए। प्रशांत ने अपने बयान में कहा कि उसने एक्सयूवी पर पिस्टल तानी तो फायर हो गया। गोली गाड़ी के विंड स्क्रीन पर लगी। प्रशांत के

मुताबिक उसे पता नहीं था कि गोली कार में बैठे किसी शख्स को लग गई है। गाड़ी सवार लोगों के भाग जाने पर उसे लगा कि गोली किसी को नहीं लगी है। उसे यह भी नहीं पता था कि आगे जाकर गाड़ी अंडरपास से टकरा गई है।

प्रशांत का कहना है कि उसके सूचना देने के बाद एएसपी नॉर्थ विक्रांत वीर और सीओ चक्रेश मिश्रा आ गए। अधिकारियों ने उसे व संदीप कुमार को गोमतीनगर थाने भेज दिया। प्रशांत के मुताबिक बाद में थाने पर आलाधिकारी आने लगे। सभी ने उससे अलग–अलग पूछताछ की। 29 सितम्बर की सुबह तक वह थाने में ही रहा और करीब 9 बजे उसे लोहिया अस्पताल ले जाया गया। वहां एक–डेढ़ घंटे तक मेडिकल कराने के बाद उसे वापस थाने ले आया गया।

एसआईटी ने प्रशांत और संदीप से यह भी पूछा कि क्या वह लोग विवेक और सना को पहले से जानते थे। इस पर बर्खास्त सिपाहियों ने इनकार कर दिया। प्रशांत ने कहा कि वह लोग विवेक और सना को नहीं जानते थे और न ही उन लोगों की उनसे कोई रंजिश थी। प्रशांत ने साफ कहा कि उसने घटना वाली रात को पहली बार विवेक और सना को देखा था।

## शापिंग साइट से बुक कराया मोबाइल, मिली एसेसिरीज

लखनऊ। जानकीपुरम के वशिष्ठपुरम निवासी आदित्य निगम ने शापिंग वेबसाइट से करीब 35 हजार का मोबाइल व हैण्ड फ्री बुक किया। ऑनलाइन रुपये भी कम्पनी के खाते में जमा कर दिये। कोरियर पहुंचा तो उसमें सिर्फ एसेसिरीज मिली। पीड़ित ने पुलिस के बाद मदद न मिलने पर कोर्ट के आदेश कम्पनी के एमडी के खिलाफ रिपोर्ट हुई। आदित्य निगम ने बताया कि जून में उन्होंने एक शापिंग वेबसाइट से एक स्मार्ट फोन व हैण्ड फ्री बुक किया था। कम्पनी ने 15 जून को डिलेवरी का वक्त दिया था लेकिन कोरियर पांच दिन बाद मिला। आदित्य ने पैकेट खोला तो उसमें मोबाइल के बजाए डेटा कार्ड, चार्जर व बैक कवर रखा था।

## 'आयुष्मान योजना' के लाभार्थियों में शामिल मंत्री का नाम, प्रशासन में मचा हड़कंप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में 'आयुष्मान योजना' के लाभार्थियों में राज्य के कैबिनेट मंत्री सतीश महाना का नाम सामने आने के बाद मंत्री को अपनी सफाई देनी पड़ी।

मंत्री ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर अपना नाम सूची से हटाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। महाना को जैसे ही इस बात की जानकारी हुई कि उनका नाम आयुष्मान योजना में शामिल है, उन्होंने तत्काल इसका संज्ञान लिया।

मंत्री ने कानपुर के जिलाधिकारी विजय विश्वास पंत को चिट्ठी लिखकर अनुरोध किया कि वह और उनका

परिवार इस योजना की पात्रता श्रेणी में नहीं आते। इसलिए योजना से उनका और उनके परिवार के लोगों का नाम तत्काल हटा दिया जाए।

महाना ने पत्र में यह भी लिखा है कि यह भी पता किया जाए कि किन लोगों ने उनका नाम इस योजना की सूची में दर्ज कराया है। ऐसे लोगों के खिलाफ उन्होंने कार्रवाई करने को कहा है। पत्र की एक प्रतिलिपि मुख्य चिकित्साधिकारी ड़ा अशोक शुक्ला को भी भेजी गई है।

आयुष्मान योजना ऐसे लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। योजना के तहत एक कार्ड दिया जाता है, जिसमें कई सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के नाम होते हैं, जहां से उन्हें बिना कोई शुल्क दिए चिकित्सा सुविधा दिए जाने की व्यवस्था की गई है।

## मदरसे में छात्र की पिटाई, मुफ्ती पर लगाया ये गंभीर आरोप

लखनऊ। सहारनपुर जनपद में कुतुबशेर थाना क्षेत्र के एक मदरसे में छात्र की पिटाई को लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

परिजनों ने मदरसे के मुफ्ती पर बच्चे की पिटाई करने और किसी से शिकायत करने पर मदरसे से निकाल देने की धमकी का आरोप लगाया। उनकी ओर से थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मोहल्ला खाताखेड़ी निवासी मोहम्मद इनाम का 13 वर्षीय पुत्र नवाजिश मानकमऊ स्थित एक मदरसे का छात्र है। आरोप है कि सोमवार को मदरसे के एक मौलवी ने नवाजिश की पढ़ाई में कुछ गलती होने पर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी।

आरोप है कि किसी को पिटाई के बारे में शिकायत

करने पर उसे मदरसे से निकालने की भी धमकी दी। नवाजिश ने अपने घर पहुंचकर पहले तो किसी को कुछ नहीं बताया। लेकिन शरीर पर निशान देख कर परिजनों ने उससे पूछा तो उसने पिटाई के बारे में जानकारी दी। इस पर परिजन आक्रोशित हो गए।

परिजनों के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने मदरसे में जाकर मुफ्ती से शिकायत की। लेकिन मुफ्ती ने उनकी बात को अनसुना कर दिया। इस पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने इस मामले में कुतुबशेर थाना में तहरीर देकर आरोपी मुफ्ती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

इस मामले में मंगलवार शाम तक दोनों पक्षों में समझौता कराए जाने का प्रयास किया जा रहा है। कुतुबशेर थाना प्रभारी दीपक कुमार चतुर्वेदी का कहना है कि मदरसे में एक बच्चे की पिटाई की शिकायत मिली थी। पिता की ओर से तहरीर दी गई है।

## साइबर जालसाजों ने सात के खाते से उड़ाए 2.66 लाख

लखनऊ। राजधानी में साइबर जालसाजों ने सहायक प्रबंधक व शिक्षिका समेत सात लोगों के खाते से 2.66 लाख रुपये उड़ा लिए। साइबर ठगी की यह घटनाएं कृष्णानगर, गुडम्बा, गोमतीनगर व गाजीपुर इलाके में हुई। कृष्णानगर के बरिगवां निवासी विजय तिवारी नेशनल सिड कारपोरेशन में सहायक प्रबंधक हैं। बीते 27 सितम्बर को साइबर जालसाजों ने उनके एटीएम कार्ड का क्लोन बनाकर खाते से 40 हजार रुपये पार कर दिये। पीड़ित शिकायत लेकर कृष्णानगर कोतवाली गया, जहां से उसे आशियाना भेज दिया गया। कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद कृष्णानगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

## मामूली कहा सुनी के कारण 2 सगे भाइयों की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुछ अज्ञात हमलावरों ने बुधवार देर रात दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी। इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

इमरान गाजी (24) और उसके भाई अरमान (22) और दोस्त निशांत के साथ अपने बीमार पिता के लिए दवाई खरीदकर घर जा रहा था, उसी दौरान ठाकुरगंज में बंबा रोड के पास उन पर हमला किया गया।

गाजी परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कलानिधि नैथनी को बताया कि कुछ दिन पहले दोनों भाइयों की कुछ लोगों से कहासुनी हो गई थी।

मामले में साहिल नाम के युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

हमले में बचे निशांत ने बताया कि करीब आधा दर्जन बदमाशों ने दोनों भाइयों को कैब से बाहर निकाला। कैब इमरान चला रहा था। उसने बताया कि उन्होंने उन्हें प्वाइंट ब्लैंक रेंज से

गोली मारने से पहले उन्हें रॉड व डंडों से पीटा।

निशांत हालांकि वहां से किसी तरह भागने में सफल रहा और ठाकुरगंज पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो दोनों भाई वहां खून से लथपथ पड़े थे और हमलावर तब तक भाग चुके थे।

दोनों भाइयों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

कुछ देर बाद घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस के विरुद्ध नारेबाजी की और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। आठ पुलिस थानों के अतिरिक्त बलों को पुराने शहर में तैनात किया गया है।

## मुसलमान से हिन्दू बने अख्तर अली ने सरकार पर लगाया आरोप

लखनऊ। जनपद बागपत के थाना छपरौली पुलिस की कार्यवाही से क्षुब्ध होकर परिवार के 13 लोगों ने हिन्दू धर्म अपनाया है जिसके बाद से देशभर में इस पर चर्चाएँ होने लगी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मामला छपरौली थाने के बदरखां गांव का है जहां मुस्लिम जोगी परिवार के लोगों ने हिन्दुधर्म कुबूल किया है,धर्म बदलने वाले अख्तर अली ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि उसका नाम अख्तर अली था। उसने अपना धर्म बदलकर हिन्दू धर्म स्वीकार कर लिया है। अख्तर अली धर्म बदलने के पीछे अहम कारण स्थानीय पुलिस की मनमानी और दबंगो के इशारे पर काम करना बताया।

अख्तर अली ने कहा कि पुलिस ने हमारे केस में निष्पक्षता से जांच नहीं की, यहाँ तक कि हमारे समुदाय के लोगों ने भी हमारा साथ नहीं दिया। अली ने कहा कि मोदी के भारत में मुसलमानो की कोई सुनवाई नहीं हो रही, इसलिए उसे इस्लाम धर्म त्यागकर हिन्दू धर्म स्वीकार करने को मजबूर होना पड़ा है।

दरअसल अख्तर अली का बेटा कपड़े का व्यापार करता

था। जुलाई माह में उनके बेटे गुलहशन अली का शव उनकी ही दुकान में खूंटी पर लटका हुआ मिला था। परिजनों का आरोप था कि मुस्लिम समाज के ही कुछ दबंगों ने उसकी हत्या करने के बाद शव को खूंटी पर लटका दिया था लेकिन पुलिस ने उनकी एक न सुनी और हत्या को आत्महत्या में दर्ज कर शव को जबरन दफन करवा दिया।

## पंखुड़ी पाठक का अखिलेश पर निशाना कहा आपमें हिम्मत नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालते ही पुलिस ने एनकाउंटर के नाम काफी लोगो को परलोक पहुँचाने का काम किया है,पुलिस के द्वारा किये गए एनकाउंटर सरकार के सिर के लिये दर्द बने हुए हैं,जो सरकार की बदनामी का भी कारण बने हैं।

ताजा मामला लखनऊ का है जहां पुलिसकर्मी ने एप्पल के एरिया मैनेजर को गोली मार दी थी जिससे उसकी मौत हो गई। यूपी सरकार ने पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये मुआवाज, नौकरी एंव रहने के लिये आवास देने का आश्वासन दिया है।

सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिये कि पुलिस की गोली से मरने वाला विवेक तिवारी ब्राहमण था इसलिये सरकार ने तुरंत एक्शन ले लिया और रातों रात मुआवजा से लेकर आरोपी पुलिसकर्मी को जेल तक भेज दिया। लेकिन ऐसा दूसरे मामलों में नहीं हो पाया, जबकि यूपी पुलिस ने कई निर्दोषों को

बदमाश बताकर मारा है।

इसी मामले में सपा की पूर्व प्रवक्ता और हाल ही में समाजवादी पार्टी को अलविदा कहने वाली पांखुड़ी पाठक ने सपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वह क्यों कामयाब हैं और आप क्यों नाकामयाब। सच सुनने की हिम्मत है?

विवेक तिवारी उनका वोटर था– उन्होंने तुरंत डेमैज कंट्रोल किया। आज उसका परिवार संतुष्ट है। जितेंद्र यादव आपका वोटर था आपने उसके लिए कोई बड़ा आंदोलन नहीं किया। नौशाद मुस्तकीम का साथ देने की आपमें हिम्मत नहीं।

# सम्पादकीय

## आखिर किसान रैली का संकट टला

राहत की बात यह है कि भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले अपनी मांगों को मनवाने के लिए हरिद्वार से दिल्ली आ रहे किसानों को चौधरी चरण सिंह के स्मृति–स्थल तक आने की अनुमति दिल्ली पुलिस ने अंततरू दे दी। हालांकि उनका विरोध मार्च खत्म हो गया है, लेकिन इसके पहले दिल्ली–उत्तर प्रदेश की सीमा पर जो हिंसा हुई, वह लोकतांत्रिक राजनीति के लिए शोभाजनक नहीं है। प्रतिरोध लोकतांत्रिक राजनीति का अभिन्न हिस्सा है। प्रतिरोध–संस्कृति के जरिये ही जनता अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाती है। इसलिए इसको दबाना समाज ही नहीं, अंततरू सरकार के लिए भी घातक हो जाता है। पर आंदोलनकारी किसानों को भी बदलती परिस्थितियों में प्रतिरोध के साथ–साथ अनुशासन की संस्कृति विकसित करनी होगी, ताकि उनकी छवि खराब करने का मौका किसी को न मिले। अगर किसानों के मसले पर कोई विपक्षी दल राजनीति करता है, तो यह किसानों की समस्या नहीं है। अगर राजनीति से किसानों को फायदा होता है, तो वे शायद ही किसी को राजनीति करने से रोकेंगे। लोकतांत्रिक राजनीति में वर्गीय आधार पर दबाव समूह विकसित होना अनहोनी बात नहीं है। ऐसे में सरकार और सत्ताधारी दल को चाहिए कि अपना जन–संपर्क मजबूत करे, ताकि समय रहते किसानों को समझाया जा सके। सरकार के लिए शायद संभव नहीं है कि वह किसानों की हर मांग पूरी कर दे, फिर भी मोदी सरकार का कामकाज अपनी पूर्ववर्ती सरकार से अच्छा माना जा रहा है। यह और बात है कि किसानों के बीच उसकी छवि इसके अनुरूप नहीं बन पाई है। कहा जा सकता है कि छवि की लड़ाई में सत्ताधारी दल पिछड़ रहा है। पर कृषि और किसान समस्या को किसी सरकार विशेष के संदर्भ में देखना उसके मूल कारण को समझने में बाधक है। किसानों द्वारा आत्महत्या मोदी सरकार के समय की परिघटना नहीं है, यह पहले से चली आ रही है। जबसे भारत सरकार ने आर्थिक उदारीकरण के दौर में विकास के पूंजीवादी मॉडल को अपनाया है, तभी से यह संकट गहराता गया है, अन्यथा किसान तो पहले भी कर्ज में होते थे। दरअसल, पूंजीवादी मॉडल ने ग्रामीण कृषक जीवन के विभिन्न पहलुओं को गहराई से प्रभावित किया है, जिसकी गंभीर विवेचना की आवश्यकता है।

# माया‌वती के फैसले ने काटी गठबंधन की डोर

ध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस द्वारा इन तीनों राज्यों में चुनावी शंखनाद बहुत पूर्व से ही किया जा चुका है। इस बात की चर्चा भी बहुत व्यापक है कि 2019 के आम चुनाव का रास्ता 2018 के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से होकर ही गुजरेगा। यह भी लगभग स्पष्ट है कि यह चुनाव 2019 के आम चुनाव की पूर्वपीठिका लिखेंगे। इन परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए रणनीति, रैली, सभाएं एवं प्रचार अभियान चुनाव कार्यक्रमों की औपचारिक घोषणा से बहुत पूर्व ही गति पकड़ चुका है।भाजपा के 2019 के प्रदर्शन एवं प्रकारांतर में राज्य विधानसभाओं के चुनावों में लगातार जीत ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन को महागठबंधन के रूप में संयुक्त चुनौती प्रस्तुत करने के लिए बाध्य किया। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणामों के पश्चात प्रथम बार भाजपा से चुनाव एवं वैचारिक प्रतिद्वंद्विता रखने वाले राजनीतिक दल के बड़े हिस्से ने एकजुटता दिखाते हुए बेंगलुरू में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तत्पश्चात उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में संयुक्त विपक्ष ने भाजपा को शिकस्त देकर गठबंधन की आवश्यकता एवं इसके अपेक्षित सकारात्मक परिणामों को प्रबलता से रेखांकित किया। इसी पृष्ठभूमि में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में यह बात उभरकर आई कि भाजपा को कठोर चुनौती प्रदान करने के लिए कांग्रेस के साथ अन्य सभी राजनीतिक दलों को जिनकी इन राज्यों में उपस्थिति है, साथ आना चाहिए जिससे मतों के बंटवारे को रोका जा सके। विकास संकेतकों में अपेक्षाकृत पीछे होते हुए भी राजनीतिक दृष्टि से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान जागृत एवं सक्रिय प्रदेश रहे हैं। राजनीतिक चरित्र की दृष्टि से 2003 के विधानसभा चुनाव से मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में लगभग एकरूपता है और दोनों राज्यों में पिछले तीन कार्यकालों से भाजपा ही सत्तासीन है। मध्य प्रदेश की बात करें तो वहां दलित एवं आदिवासी जनसंख्या का प्रतिशत भी उल्लेखनीय है। जाति की राजनीति में शक्तिशाली उपस्थिति के बावजूद मध्य प्रदेश में तीसरे मोर्चे अथवा अन्य दलों के निर्णयकारी स्थिति में न आने के पीछे एक बड़ा कारण यहां संसाधनों का अपेक्षाकृत बेहतर समताकारी वितरण और दमन एवं शोषण की सामाजिक परिस्थितियों की न्यूनता रही है। यद्यपि इन स्थितियों के बावजूद विंध्य प्रदेश एवं चम्बल क्षेत्र में बसपा ने अपनी उपस्थिति 1993 के विधानसभा चुनाव में प्रभावशाली ढंग से दर्ज की। आरम्भ में ऐसा प्रतीत हुआ कि बसपा आने वाले समय में मध्य प्रदेश की द्विदलीय राजनीति के

मिथक को तोड़कर निर्णायक भूमिका में आ जाएगी, लेकिन 1993 के बाद के तीन विधानसभा चुनावों में ऐसा नहीं हो पाया हालांकि बसपा अपनी उपस्थिति लगातार बनाए हुए है। मध्य प्रदेश के निर्वाचनों के संदर्भ में 1990 से लगातार बसपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसने दो बड़े राजनीतिक दलों के पश्चात अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। लेकिन एक बात बहुत ही स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश में कई अनुसूचित जाति संकेंदग्रक्षेत्रों के होने के बावजूद वह अपनी उपस्थिति उत्तर प्रदेश से लगे मध्य प्रदेश के उत्तरी जिलों से बाहर फैलाव में असमर्थ ही रही है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के परिणामों को बसपा के संदर्भ में देखें तो यह स्पष्ट है कि 1990 में 3.54 मत प्रतिशत के साथ दो स्थानों पर, 1993 में 7.05 मत प्रतिशत के साथ 11 स्थानों पर, 1998 में 6.15 मत प्रतिशत के साथ 11 स्थानों पर, 2003 में 7.26 मत प्रतिशत के साथ दो स्थानों पर, 2008 में 8.97 मत प्रतिशत के साथ सात स्थानों पर एवं 2013 में 6.29 मत प्रतिशत के साथ चार स्थानों पर विजयी हुई। इसी तरह से लोक सभा चुनाव में 1999 में 5.23 मत प्रतिशत, 2004 में 4.75, 2009 में 5.85 एवं 2014 में 3.7 प्रतिशत मत प्राप्त हुए और केवल 2009 में एक स्थान पर विजयी हुई। इसी के साथ यह भी उल्लेखनीय है कि बसपा की जीत एवं चुनावी प्रदर्शन चंबल–ग्वालियर क्षेत्र एवं विंध्य प्रदेश तक ही सीमित रहा है जो उत्तरप्रदेश का सीमावर्ती क्षेत्र है। यदि बसपा को प्राप्त मतों को इन क्षेत्रों के आधार पर आकलित किया जाए तो अन्य क्षेत्रों में बसपा को कभी भी उल्लेखनीय निर्णायक मत प्रतिशत प्राप्त नहीं हुआ जो परिणामों को प्रभावित कर सके। छत्तीसगढ़ के गठन के पश्चात प्रथम निर्वाचन 2003 में हुए 4.45 मत प्रतिशत के साथ दो स्थानों पर, 2008 में 6.11 मत प्रतिशत के साथ दो स्थानों पर एवं 2013 में 4.27 मत प्रतिशत के साथ एक स्थान पर विजयी हुई। लोक सभा में देखे तो 2004 में 4.54 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। वहीं 2014 में 2.44 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। राजस्थान की राजनीति में 2003 में 3.9 प्रतिशत मत के साथ दो स्थानों पर 2008 में 7.60 प्रतिशत मत के साथ छह स्थानों पर एवं 2013 में 3.37 प्रतिशत मत के साथ तीन स्थानों पर विजयी हुई। वहीं लोक सभा में देखे तो 2004 में 3.16 प्रतिशत मत प्राप्त हुए वहीं 2014 में 2.37 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। वर्तमान परिस्थितियों में जब भाजपा के विरु द्ध संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने एवं चुनौती देने का जो वातावरण निर्मित हो रहा था, उस संदर्भ में बसपा का छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन करना और मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में सभी स्थानों पर चुनाव लड़ना एवं कांग्रेस से किसी भी तरह का गठबंधन नहीं करना महागठबंधन के विचार के मूर्त रूप में आने के पहले निश्चित तौर पर एक बड़ा प्रतिगामी निर्णय है। इसकी पृष्ठभूमि यह बताई जाती है कि मायावती की मांगी गई सीटों में एवं कांग्रेस की रजामंदी में बड़ा अंतर रहा। बसपा मध्य प्रदेश में कांग्रेस के साथ गठबंधन में ज्यादा सीटों पर लड़कर एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरना चाहती थी। लेकिन द्विध्रुवीय राज्य राजनीति में कांग्रेस का बड़ी संख्या में स्थानों का बंटवारा भाजपा के सामने स्पष्ट एवं प्रभावशाली चुनौती के मार्ग में बाधा हो सकती है। वस्तुतरू बसपा का कांग्रेस से मप्र एवं राजस्थान में गठबंधन होता तो निश्चित रूप से कुछ स्थानों पर सुनिश्चित जीत की सम्भावना इन दोनों दलों के नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करती। साथ ही यह प्रयोग 2019 के संभावित महागठबंधन के लिए उदाहरण बन कर उभर सकता था। फिर भी चुनाव पूर्व बसपा–कांग्रेस के गठबंधन न होने से राजनीतिक समीकरण बदल जाएंगे, यह कहना अतिशयोक्तिपूर्ण ही होगा। (लेखक , म.प्र. सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन में प्रोफेसर एवं निदेशक हैं)

# प्लास्टिक और पॉलीथिन का कचरा बड़ी समस्या

हमारी दिनचर्या में प्लास्टिक और पॉलीथिन का इस्तेमाल इस कदर रच–बस चुका है कि इसके बिना किसी चीज की कल्पना असंभव है। इस हकीकत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी जानते और समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की ''चौंपियन ऑफ द अर्थ अवार्ड' से सम्मानित होने के मौके पर मोदी ने देश को प्लास्टिक मुक्त बनाने की बात कही है। विशेष रूप में उनका जोर पर्यावरण की स्वच्छता और शुद्धता को लेकर है। धरती, जल, वायु किस कदर प्रदूषित हो चुका है, यह हर किसी के संज्ञान में है। हालात निश्चित तौर पर संजीदा हैं। और तत्काल कड़े कदम नहीं उठाए गए तो हाथ मलने के सिवा कुछ हासिल नहीं होगा। वैसे तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के कई कारक हैं, मगर प्लास्टिक ने वाकई पूरे ईको सिस्टम यानी पारिस्थितिकी तंत्र को नेस्तनाबूद करके रख दिया है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि प्लास्टिक भस्मासुर बनकर पर्यावरण को बर्बाद करने पर

आमादा है। इस तय की चिंता और गंभीरता से प्रधानमंत्री भी मुतमइन हैं। मगर यह कैसे और किस रूप में हो, इस पर सतत काम करने की जरूरत है। इस बात से नाइत्तेफाकी नहीं कि प्लास्टिक से बनी वस्तुएं या तो पूर्णतरू नष्ट नहीं होतीं या इसमें 500 से 1000 साल तक लग सकते हैं। कह सकते हैं कि सुविधा की चीज ही अब मानव जगत के लिए जी का जंजाल बन चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंतग्रबोर्ड के मुताबिक देश में रोजाना 15 हजार टन प्लास्टिक कचरा निकलता है। इसमें से 9 हजार टन को प्रोसेस किया जाता है, किंतु 6 हजार टन को ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। जबकि बाकी देशों में प्लास्टिक को लेकर काफी सख्ती है। जबकि कइयों ने तो इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित भी कर दिया है। अफ्रीकी देश रवांडा में प्लास्टिक 2008 से प्रतिबंधित है। वहीं फ्रांस ने इसकी मियाद 2020 रखी है। स्वीडन में वैसे तो प्लास्टिक के उपयोग पर रोक नहीं है, परंतु वहां इसे ज्यादा–से–ज्यादा रिसाइकल किया जाता है। आयरलैंड में प्लास्टिक के इस्तेमाल भर भारी टैक्स लगाए जाने के कारण वहां इसके इस्तेमाल में 94 फीसद की कमी आई है। निरूसंदेह भारत ने 2022 तक इस पर पूरी तरह से पाबंदी का लक्ष्य रखा है। और यह असंभव भी नहीं है अगर पूरे मनोयोग और इच्छाशक्ति के साथ इस पर अमल हो। हमारे संस्कार और संस्कृति ने हमेशा से प्रकृति के साथ सहचर्य का बोध कराया है। जरूरत है बस इसे अपनी दिनचर्या में ढालने की। प्रकृति से संघर्ष समझदारी की बात नहीं है।

# कारपोरेट जगत की खामियां देश पर भारी

अर्थव्यवस्था, बैंकिंग–वित्तीय जगत में इन दिनों इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएलएफएस) कंपनी का हड़कंप है। इसकी कई ठोस वजहें हैं। करीब 95000 करोड़ रु पये के कर्ज में डूबी यह कंपनी खस्ताहाल है। अपने लेनदारों की रकम नहीं लौटा पा रही। करीब 95000 करोड़ रुपये की रकम का आशय क्या है भारतीय अर्थव्यवस्था में? यह समझने के लिए जानना पर्याप्त होगा कि भारत में जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) का एक महीने का संग्रह करीब इतना बैठता है यानी भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी महत्त्वपूर्ण कर व्यवस्था से एक महीने में जितना कमाती है, उतना यह कंपनी डुबाने को तैयार बैठी है। यह वित्तीय क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण कंपनी है, इसलिए इसके डूबने का मतलब सिर्फ इसका डूबना नहीं है। इसके डूबने का मतलब है तमाम म्युचुअल फंड के निवेशकों का पैसा भी डूबना। कई म्युचुअल फंडों ने निवेशकों से हासिल रकम को इस कंपनी में लगाया है। अगर यह डूबा तो काफी हाहाकार मचना है। इसलिए सरकार को इस कंपनी की ओर ध्यान देने के लिए विवश होना पड़ा। और इस कंपनी में अपनी तरफ से निदेशक नियुक्त किए हैं सरकार ने। ये निदेशक हैं–कोटक महिंद्रा बैंक के उदय कोटक, पूंजी बाजार नियंत्रक सेबी के पूर्व मुखिया जीएन वाजपेयी, आईसीआईसीआई बैंक के अध्यक्ष जीसी चतुर्वेदी, पूर्व आईएएस अफसर मालिनी शंकर, टेक महिंद्रा कंपनी के महत्त्वपूर्ण अधिकारी रहे विनीत नैय्यर और पूर्व आईएएस अफसर नंद किशोर। उदय कोटक के पास बैंकिंग और वित्तीय जगत का लंबा अनुभव है। सरकार को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में बाकी निदेशक इस कंपनी को उबार पाएंगे। यह कंपनी तकनीकी तौर पर सरकारी कंपनी नहीं है। सरकारी कंपनी वह कंपनी होती है, जिसमें सरकार की भागीदारी 51 प्रतिशत या इससे ज्यादा होती है। इस कंपनी की वेबसाइट बताती है कि इसकी स्थापना 1987 में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, हाऊसिंग एंड डवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड और यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा की गई थी। बाद में इस कंपनी के शेयरधारकों, हितधारकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन–एलआईसी जैसे सरकारी संगठन शामिल हुए।

मार्च, 2018 के हिसाब से इस कंपनी में एलआईसी की अंशधारिता 25.34 प्रतिशत थी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की अंशधारिता 7.67 प्रतिशत। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शेयरधारिता करीब 6.42 प्रतिशत थी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तो सरकारी संस्थान हैं यानी कुल मिलाकर आईएलएफएस में करीब चालीस प्रतिशत शेयरधारिता सरकारी संस्थानों की थी। हालांकि तकनीकी तौर पर आईएलएफएस को सरकारी कंपनी नहीं माना जा सकता है। पर इसमें बड़ा दखल सरकारी संस्थानों का रहा है। निजी क्षेत्र की कंपनी में किसी प्रमोटर समूह का पच्चीस प्रतिशत की शेयरधारिता पर कब्जा हो तो वह समूह उस कंपनी को अपने घर की कंपनी समझ कर चलाता है। यहां सरकारी संस्थानों का कब्जा करीब 40 प्रतिशत शेयरधारिता पर था, फिर भी यह कंपनी निकम्मेपन और अकुशलता की शिकार रही। सरकार कह सकती है कि यह कंपनी उसकी नहीं है। फिर यह कंपनी है किसकी। दरअसल, यह कंपनी उन प्रबंधकों की मनमर्जी के हिसाब से चलती रही जो इसे चलाने के लिए जिम्मेदार थे। इन प्रबंधकों ने कंपनी से मोटी सैलरी–भत्ते लिए पर परफॉरमेंस के नाम पर हाल यह है कि इसकी हालत लगभग डूबने की हो गई। आईएलएफएस में न्यूनतम जिम्मेदारी से एलआईसी को लेनी पड़ेगी जिसके पास इसके एक चौथाई से ज्यादा शेयर यानी पच्चीस प्रतिशत से ज्यादा शेयर थे। इस कंपनी की सबसे बड़ी दिक्कत है कि जिन परियोजनाओं को इसने कर्ज दिए, उन परियोजनाओं से पैसे सुचारु तौर पर वापस नहीं आए। इसे जो रकम वापस मिलनी चाहिए थी, उसका करीब पचास प्रतिशत कानूनी दांवपेचों में फंसा हुआ है। कंपनी ने कई कर्ज ऐसे दिए जिनके डूबने की लगभग पूरी संभावना थी। आईएलएफएस झमेला साबित करता है कि कर्ज–विश्लेषण के समुचित विश्लेषण की व्यवस्थाएं अभी भारत में विकसित होनी बाकी हैं। तमाम क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने आईएलएफएस को कुछ समय पहले तक शानदार रेटिंग दी थीं यानी उनका मानना था कि आईएलएफएस निवेश योग्य कंपनी है। अचानक से दो महीनों में यह कंपनी डूबत निवेश हो गई। रेटिंग एजेंसियां क्या कर रही थीं? जुड़ा महत्त्वपूर्ण सवाल है कि तमाम पक्ष इसमें लंबे समय से कर क्या रहे थे? महत्त्वपूर्ण शेयरधारक समस्याओं पर चुप्पी साधे बैठे रहे। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को कुछ समझ में ना आया। केंद्र सरकार इस मसले में तब कूदी जब शेयर बाजार में वित्तीय जगत में हाहाकार मच चुका था। पानी सिर से ऊपर निकल चुका था। कंपनी डूबने के कगार पर है, तब उसे बचाने की कोशिशों का परिणाम है कि कंपनी की संपत्तियों की बिक्री के भाव औने–पौने मिलेंगे। आम तौर पर कहा जाता है कि प्राइवेट सेक्टर सरकारी सेक्टर के मुकाबले ज्यादा कुशल होता है। पर देखने में आया कि आईएलएफएस को बेहतरीन रेटिंग प्रदान करने वाली रेटिंग एजेंसियों में निजी सेक्टर की रेटिंग एजेंसियां थीं। इन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। आम तौर पर किसी कंपनी के डूबने के कुछ लक्षण पहले से दिखाई पड़ने लगते हैं। आम निवेशक तक ये लक्षण भांप लेते हैं। फिर भी ये लक्षण रेटिंग एजेंसियों को दिखाई नहीं दिए। आईएलएफएस में एचडीएफसी की शेयर होल्डिंग करीब नौ प्रतिशत थी। एचडीएफसी के कॉरपोरेट प्रबंधन को देश में आदर्श प्रबंधन के तौर पर पेश किया जाता है। यह कैसा आदर्श प्रबंधन कि अपनी रकम को संभालने में कोई रुचि नहीं दिखाई गई। कुल मिलाकर आईएलएफएस झमेले में तमाम पक्षों का निकम्मापन व कौशलहीनता उजागर होती है। सरकार ने इस ओर ध्यान दिया है पर बहुत देर से। जब दुकान लुट चुकी है, या मकान जल चुका है, अब तो मलबे में से क्या–क्या निकाला जा सकता है, इस सवाल पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। आईएलएफएस झमेला इस तरह का पहला मामला नहीं है, और शायद आखिरी भी नहीं होगा। जरूरी है कि एलआईसी के शीर्ष प्रबंधन से जरूर पूछा जाना चाहिए कि आप अपनी रकम को लगातार डूबते हुए कैसे देखते रहे? महत्त्वपूर्ण शेयरधारक होने के नाते आपने क्या ठोस किया? एलआईसी की पूरी जिम्मेदारी बनती है। जिम्मेदारी तय होना बहुत जरूरी है ताकि भविष्य में इस तरह के झमेलों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

# दायरे में हैं परेशान किसानों की मांगें

कृषि प्रधान देश में किसानों पर लाठीचार्ज कहां तक उचित है? किसानों की उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है, कर्ज लेकर किसान लागत लगा रहा है, और समर्थन मूल्य की घोषणा होने के बाद भी उसकी उपज समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी जा रही क्योंकि समर्थन मूल्य से कम पर उपज खरीदना कानूनी अपराध नहीं है। सरकार को पहले यह कानून बनाना चाहिए। लेकिन लागत से डेढ़ गुना समर्थन मुल्य का लॉलीपाप सरकार ने किसानों को पकड़ा करके अपनी इतिश्री कर ली। कर्ज तले दबा किसान आत्महत्या कर रहा है, और सरकार है कि उसकी आत्महत्या के कारण समझना भी नहीं चाहती। जब भी किसान आत्महत्या करता है, शासन–प्रशासन की रिपोर्ट आती है कि पारिवारिक कलह या शराब के कारण किसान ने आत्महत्या की। सरकार की गलत किसान नीति के परिणामस्वरूप किसान कर्जे में डूब रहा है। वह एक वार में कर्ज से मुक्ति चाहता है, और यही समझाने सरकार के पास दिल्ली आया था पर सरकार ने मिलना तो दूर उस पर लाठी चलाकर लहूलुहान कर दिया। परिवार के मुखिया की मौत सरकार की गलत नीतियों के परिणामस्वरूप ही हो रही है, तो परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी देना सरकार की जिम्मेदारी बनती है। कारण, जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ था, तो हमें संवैधानिक सुरक्षा मिली थी कि सरकार हमारी और हमारी संपत्ति की सुरक्षा करेगी। अतरू नौकरी मांगने की मांग जायज है। प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए फसल बीमा की घोषणा पर जो अरबों रुपया प्रचार में खर्च किया, उससे किसानों को लाभ नहीं मिला, बल्कि विदेशी बीमा कंपनी किसानों को लूट कर चल दी। स्पष्ट है कि बीमा पॉलिसी में सुधार की आवश्यकता है, और किस तरह किसान फसल का बीमा कराएं, इस पर चर्चा करना चाहते थे पर सरकार ने किसानों को संदेश दिया कि मेरे पास आओगे तो लाठी खाओगे। सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्त होता है, तो उसे पेंशन मिलती है, चुने हुए प्रतिनिधियों को पेंशन मिलती है, तो किसान पूछ रहा है कि मैंने तो 60 साल तक धूप, बरसात, ठंड में आप सबका पेट भरने के लिए हड्डी तोड़ मेहनत की। अब शरीर साथ नहीं देता। बेटा–बहू के पास रोजगार नहीं है। जमीन भी आपने बांध, थर्मल पावर के नाम पर छीन ली। जीवन के आखिरी पड़ाव पर पेंशन दे दो, तो गोली दाग दी। दिन–रात एक कर आपके जीवन में मिठास घोलने का प्रयास किया। रात–रात भर ठंड में हम ईख की सिंचाई करते थे क्योंकि हमें दिन में बिजली नहीं मिलती। अब गन्ने से उम्मीद थी कि बेटी के हाथ पीले कर दूंगा पर हाय री किस्मत! बेचने पर उसका भी पैसा समय पर नहीं मिलता। यही बताने दिल्ली आ गएपर क्या मालूम था कि आप हाथ–पैर भी तोड़ दोगे। भावांतर के नाम पर भी तो धोखा दिया है आपने। अब सोचते हैं कि संसद के भीतर जाकर ही बात बनेगी। बिजली इतनी महंगी कर दी कि खरीदना मुश्किल हो रहा है। सरकार बिजली बनाती थी तो मध्य प्रदेश में लागत मूल्य पर बिजली मिल जाती थी, और 8 राज्यों को सरकार बिजली बेच भी देती थी। हमारा प्रदेश बिजली का स्वर्ग कहलाता था पर अब सरकार बिजली नहीं बनाती। आपके मित्र बिजली बनाते हैं, और बहुत अधिक मुनाफा कमाते हैं, उसका कुछ किस्सा आपको चंदे में दे देते हैं। अब खेत में पानी देने के लिएबैल भी नहीं बचे। अतरू बिजली सस्ती दरों पर मांग रहे हैं। किसान इतना परेशान तो अंग्रेजों के जमाने भी नहीं रहा। यही तो कह रहे थे किसान। स्वामीनाथन आयोग का गठन सरकार ने ही किया था। अतरू उसे लागू कराना भी उसका काम है। देश में बीसियों आयोग गठित हुए, लेकिन उनकी सिफारिशें नीतियों का रूप नहीं ले सकीं। आखिर, किसानों पर सरकार ने इतनी बेदरदी से लाठीचार्ज क्यों किया? क्या किसानों का दिल्ली पर कोई अधिकार नहीं है? क्या किसान दिल्ली नहीं जा सकता? क्या किसान सिर्फ वोट बैंक बन कर रह गया है? क्या गांधी की समाधि तक जाने पर रोक है? अगर किसान शांतिपूर्वक अपनी मागों को लेकर राजघाट जा रहे थे और उन्हें जाने से पुलिस वाले नहीं रोकते तो कौन–सा पहाड़ टूट जाता? किसान मांग रहे थे साठ साल की उम्र के बाद पेंशन, पूर्ण कर्जामाफी, सस्ती बिजली, फसल बीमा योजना में बदलाव, बिना ब्याज के लोन, आत्महत्या करने वाले किसान के परिवार को नौकरी, स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों का क्रियान्वयन, सभी उपज खरीदने की गारंटी, पांच से सात दिन में गन्ना भुगतान। ये मांगें संविधान के दायरे में हैं, सरकार का काम बिना मांगे अनुच्छेद 48 के तहत इन्हें पूरा करे।

# गांधी का सत्याग्रह स्वच्छाग्रह का प्रेरक

नोबेल पुरस्कार के निर्णायकों ने शांति के लिए पांच बार महात्मा गांधी के नामांकन पर विचार किया। तीन बार तो वे चयनित भी हुए। अंततः यह कहते हुए उन्हें पुरस्कार नहीं दिया गया कि उनकी अहिंसा और सत्याग्रह में पाखंड ज्यादा है। आज जब दुनिया गांधी के सत्य से आगे सत्योत्तर (पोस्ट ट्रूथ) ग्रंथियों में उलझी है, तो गांधी विचार की दरकार शिद्दत से महसूस होने लगी है। अमेरिका के आधा दर्जन प्रभावशाली सांसदों ने गांधी को मरणोपरांत प्रतिष्ठित ''कांग्रेसनल गोल्ड मेडल' से सम्मानित करने का प्रस्ताव फिर संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में पेश किया है। प्रस्तावकों में चार भारतीय अमेरिकी सांसद भी हैं। इन सांसदों को लगता है कि शांति और अहिंसा को बढ़ावा देने में गांधी के योगदान को देखते हुए उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाए। ''कांग्रेसनल गोल्ड मेडल' अमेरिकी संसद की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। विडंबना देखिए कि अब तक अमेरिकी संसद ने जिन कुछ विदेशी लोगों को यह सम्मान दिया है, उनमें पहला नाम मदर टेरेसा (1997) का है। इसके बाद नेल्सन मंडेला (1998), पोप जॉन पॉल द्वितीय (2000), दलाई लामा (2006), आंग सान सू की (2008), मोहम्मद युनूस (2010) और शिमोन पेरेज (2014) को इस सम्मान से नवाजा गया। इनमें से

ज्यादातर लोगों के जीवन में गांधी एक बड़ी प्रेरणा की तरह रहे हैं। ऐसे में सवाल यह कि अब गांधी के नाम पर विचार का क्या अर्थ है, वह भी उस देश की सरकार और संसद द्वारा जिस देश की हिंसक साम्राज्यवादी निष्ठाओं के कारण गांधी ने जीते–जी वहां कदम नहीं रखा था। दरअसल, हिंसक वर्चस्व के दौर में गांधी हमें बार–बार खुद से एक ऐसी मुठभेड़ की चुनौती देते हैं, जिसमें हम खुद को इस बात का जवाब दे सकें कि हमारा जीवन, हमारा विचार और इससे भी आगे हमारी दिशा मानवीय अस्मिता के सत्य को लेकर आग्रहित है। आज अगर भारत में भी गांधी का सत्याग्रह स्वच्छाग्रह का प्रेरक आह्वान बना है तो इसीलिए कि गांधी विचार का सत्य किसी तदर्थवाद के लिए कोई स्पेस नहीं छोड़ता। सत्य का उनका आग्रह खुद से लेकर अपने दौर की हर समस्या, हर चुनौती के लिए हमें अहिंसक मार्ग अपनाने की ललक से भरता है।

# 'स्वच्छ भारत मिशन' को जनांदोलन बनाने को प्रतिबद्ध : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भूपेंद्र चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य स्वच्छता मिशन को लेकर राज्य सरकार की ओर से एक व्यापक रणनीति तैयार की गई है।

इस रणनीति के केंद्र में ग्रामीण समुदाय को रखते हुए स्वच्छ भारत मिशन को एक जनांदोलन के रूप में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए 500 प्रशिक्षण केंद्रों का आयोजन कर 60 हजार स्वच्छाग्रहियों की टीम तैयार की गई है।

चौधरी ने लाल बहादुर शास्त्री भवन में प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि दो अक्टूबर, 2018 तक उत्तर प्रदेश को खुले में शौचमुक्त करने का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि, अभी 30 जनपदों को ही खुले में शौच से मुक्त किया जा सका है। प्रदेश के 30 जनपदों के कुल 82,883 गांवों को खुले में शौचमुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक करोड़ 41 लाख शौचालय अभी तक बनाए जा चुके हैं। जहां पर शौचालय निर्माण में धांधली की शिकायतें मिली हैं, उसकी जांच की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित आरोपी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों में लगभग 500 प्रशिक्षण का आयोजन कर 60 हजार स्वच्छाग्रहियों की फौज तैयार की गई है। इनका काम स्वामित्व प्रदान ग्रामों के समुदाय के व्यवहार में परिवर्तन लाना होगा।

# केमिकल फैक्ट्री में लगी आग, लाखों के नुकसान की आशंका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानपुर के औद्योगिक क्षेत्र पनकी में शुक्रवार को एक केमिकल फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। एक दर्जन से ज्यादा दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं।

कानपुर में पनकी के सरायमीता इलाके में सुबह करीब चार बजे केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। दम घुटने की वजह से आसपास रह रहे तमाम लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। आग की चपेट में अगल–बगल की भी कुछ फैक्ट्रियां आ गईं।

अधिकारियों के मुताबिक, मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियां अभी भी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। केमिकल फैक्ट्री के धुएं से आसपास रहने वाले लोगों को सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही है।

उन्हें वहां से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

# वसीम रिजवी की इस बात पर जारी हो सकता है फतवा!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद वसीम रिजवी ने कहा है कि हिंदुस्तान की जमीन पर बाबरी ढांचा कलंक है। उन्होंने कहा कि समझौते की मेज पर बैठकर हार–जीत के बगैर राम का हक हिंदुओं को वापस करना चाहिए और एक नई अमन की मस्जिद लखनऊ में जायज पैसों से बनाने की पहल करनी चाहिए।

वसीम रिजवी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि मस्जिद के नीचे की खुदाई 137 मजदूरों ने की थी, जिसमें 52 मुसलमान थे। खुदाई के दौरान 50 मंदिर स्तंभों के नीचे ईटों का बनाया गया चबूतरा मिला था।

उन्होंने कहा, "मंदिर से जुड़े कुल 265 पुराने अवशेष भी मिले थे। इसी आधार पर भारतीय

पुरातत्व विभाग इस निर्णय पर पहुंचा था कि ऊपरी सतह पर बनी बाबरी मस्जिद के नीचे एक मंदिर दबा हुआ है। सीधे तौर से माना जाए कि बाबरी ढांचा इन मंदिरों को तोड़कर इनके मलबे पर बनाई गई है।"

रिजवी ने कहा कि इस बात का उल्लेख के.के. मोहम्मद की किताब "मैं भारतीय हूं" में भी किया गया है।

ऐसी स्थिति में बाबरी कलंक को जायज मस्जिद कहना इस्लाम के सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने अपील की है कि अभी भी वक्त है, बाबरी मुल्ला अपने गुनाहों की तौबा करें। पैगंबर मोहम्मद साहब के इस्लाम को मानें।

उन्होंने कहा, "एक समझौते की मेज पर बैठकर हार–जीत के बगैर राम का हक हिंदुओं को वापस करो और एक नई अमन की मस्जिद लखनऊ में जायज पैसों से बनाने की पहल करो।"

# क्रैश हुआ एयरफोर्स का विमान, बाल-बाल बचे पायलट

लखनऊ। बागपत में एयरफोर्स का एक विमान क्रैश हो गया। इस घटना में दोनों पायलट सुरक्षित हैं। इस विमान दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह विमान चांदीनगर एयरफोर्स स्टेशन से उड़ा था।

बता दें कि इस हादसे में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। 8 अक्टूबर को एयरफोर्स दिवस की तैयारियां चल रही हैं, जिस वजह से एयरफोर्स के जवान अभ्यास करने में जुटे हुए थे।

वहीं एसपी शैलेश पांडेय और एसएसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए है और मामले की छानबीन में जुटे हुए है।

# महिला कर्मी ने डॉक्टर पर लगाया छेड़खानी और पिटाई का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। बलिया जिले के सुखपुरा थाना क्षेत्र के हनुमानगंज स्थित आकाश नर्सिंग होम के डॉक्टर पर अस्पताल की ही महिला कर्मी ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला स्टाफ का कहना है कि डॉक्टर ने महिला के साथ छेड़छाड़ करने के साथ आपत्तिजनक शब्द बोलने तथा मारपीट का मुकदमा सुखपुरा थाने में दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार अस्पताल में कार्यरत एक महिला कर्मी ने डॉक्टर के ऊपर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा डॉक्टर हेमंत सिंह हमेशा महिला को प्रताड़ित और उसके साथ गाली गलौज करते हैं। पीड़िता ने बताया कि डॉक्टर आधी रात को लेकर नाराजगी दिखाई और महिला के साथ गाली

गलौज करने लगे और मारपीट तथा छेड़खानी किया और महिला को गायब कर देने की धमकी दी।

आरोपी डॉक्टर हेमंत सिंह ने बताया कि मेरे द्वारा ही अस्पताल में महिला स्टाफ हेल्पर को नौकरी पर रखी गई थी। जिसकी डयूटी 24 घंटे की है। महिला कर्मी के द्वारा मेरे ऊपर जो भी आरोप लगाए गए हैं वो सारे आरोप गलत है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। लेकिन अभी भी आरोपी डॉक्टर पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस अधीक्षक श्रीपर्णा गांगुली ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### खाली प्लॉट में फेंका मरा हुआ चूहा फेंकने पर हत्या

नई दिल्ली। अगर कोई आपसे कहे कि एक आदमी की हत्या मरे हुए चूहे को फेंकने के कारण की गई तो ये सुनकर शायद आपको भी हैरानी हो सकती हैं लेकिन हाल ही में एक ऐसा ही मामला सामने आया है।दिल्ली के मीर विहार इलाके का है जहां पर एक खाली प्लॉट में मरे हुए चूहे को फेंकना महंगा पड़ गया. जानकारी के मुताबिक चंद्रिका (39) अपने परिवार के साथ मीर विहार के एम–ब्लॉक में रहते थे. उनके परिवार में पत्नी सुमन और तीन बच्चे हैं. चंद्रिका नाहरपुर इलाके में पेंटर का काम करते थे. 2 अक्टूबर को उनके घर में एक चूहा मर गया था जिसके बाद चन्द्रिका ने उस चूहे को उठाकर पड़ोस के ही खाली प्लॉट में फेंक दिया था. चूहे की बदबू से परेशान पड़ोसी विजय ने इसपर ऐतराज जताते हुए चन्द्रिका से चूहा हटाने को कहा. इस मुद्दे को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई.

इसके बाद गुस्साए आरोपी ने चंद्रिका के सिर पर लोहे की पाइप से ताबड़तोड़ वार कर दिया. चंद्रिका के सिर में गंभीर चोट आई जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को इस मामले की सुचना दी. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था. चंद्रिका की हालत गंभीर देखते हुए उसे तुरंत संजय गांधी अस्पताल से सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया था. गुरुवार को उसे मृत घोषित कर दिया गया।

### रूई के गोदाम में आग, लाखों की क्षति

लखनऊ। बाजारखाला क्षेत्र के इन्द्राणीनगर स्थित रूई के गोदाम में शुक्रवार दोपहर आग लग गयी। रिहायशी क्षेत्र में स्कूल के पास गोदाम होने के कारण आसपास दहशत का माहौल बन गया। आग लगने की सूचना दमकल को दी गयी। कई फायर स्टेशनों से करीब सात दमकलें मौके पर गयी और तीन घंटे की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया।सुभाष मार्ग निवासी राजेश अग्रवाल की बाजारखाला थाना क्षेत्र के इन्द्राणीनगर में दयाराम अग्रवाल के प्लाट पर गोदाम बना रखा है, जिसमें करीब तीन हजार स्क्वायर फिट प्लाट पर टीन शेड डालकर रुई का गोदाम बना रखा था। यह प्लाट दयाराम अग्रवाल का है जो राजेश अग्रवाल व आशीष पुत्रगण नवलकिशोर ने किराये पर ले रखा है। राजेश इसी प्लाट पर गोदाम बनाये हैं जबकि उनकी फर्म सुभाष मार्ग पर रघुवरदयाल–राजेश अग्रवाल के नाम से है। वहां वह रूई का थोक कारोबार करते हैं। ठण्ठ के दिन नजदीक हैं। इस कारण राजेश ने गोदाम में बड़ी मात्रा में रुई का भण्डारण कर रखा था। शुक्रवार दोपहर करीब 2.30 दो बजे रुई के गोदाम से धुआ निकलते देख किसी ने राजेश को सूचना दी।

### इनामी लुटेरा चढ़ा क्राइम ब्रांच के हत्थे

लखनऊ। दस हजार के इनामी बदमाश वकील खान को अपराध शाखा ने पक्का पुल चौक से गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस को लूट की वारदातों से संचित लाखों के जेवर, नकदी, तमंचा व स्मैक मिली है। पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ सीतापुर, ठाकुरगंज, चौक व हसनगंज थानों में आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि उसके कई वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस इन दिनों वांछित पराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी क्रम में अपराध शाखा के उपनिरीक्षक विमलेश कुमार अपनी टीम के साथ चौक थाना क्षेत्र में पक्का पुल पर घात लगाये थे, इसी बीच रात करीब 3.40 बजे एक व्यक्त मोटरसाइकिल से आता दिखा जो हेलमेट लगाये था। उसने हरे रंग की टी शर्ट पहन रखी थी। पास आते ही पुलिस ने उसे रोका और नाम पूछा तो उसने अपना नाम वकील खान पुत्र सहमत खान निवासी ग्राम भुइला कलॉ थाना मानपुर जनकद सीतापुर, हालपता मिश्री की बगिरा निकट गूंगा बहरा स्कूल थाना ठाकुरगंज बताया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से .315 बोर का तमंचा, दो कारतूस व एक खोखा मिला। पुलिस ने गाड़ी की डिग्गी की तलाशी ली तो 25 ग्राम स्मैक, सोने–चांदी के 23 आभूषण मिले।

### डाक कर्मी ने एसडीएम बन शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

लखनऊ। गाजीपुर इलाके में रहने वाली युवती को एसडीएम लखनऊ बनकर डॉक विभाग कर्मी ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपित ने जल्द शादी करने की बात कही लेकिन फिर वह टालमटोल करने लगा। शक होने पर पीड़िता ने पड़ताल की तो पता चला कि आरोपित एसडीएम नहीं बल्कि डाक विभाग कर्मी है। सच्चाई सामने आने पर आरोपित ने पीड़िता व उसके परिजनों को बदनाम करने की धमकी दी। गाजीपुर पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।मूल रूप से बस्ती जनपद निवासी रागिनी (काल्पनिक नाम) गाजीपुर थाना क्षेत्र में रहकर एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी करती है। पीड़िता ने बताया कि आफिस आते–जाते निशांत वर्मा नाम का युवक उसका पीछा करता था। कुछ दिनों तक वह उसे नजरअंदाज करती रही लेकिन जब निशांत की हरकतें बंद नहीं हुई तो उसने एक दिन उसे रास्ते में रोककर टोक दिया। निशांत ने खुद को एसडीएम लखनऊ बताते हुए युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। युवती ने सड़क पर शादी की बात से इंकार किया। इस पर निशांत ने कहा कि वह उसे अपना नम्बर दे दे, ताकि वह अपने घरवालों से उसके घरवालों की बात करा सके। भरोसा कर युवती ने नम्बर दे दिया। उसके बाद निशांत ने एक महिला की बात युवती, उसकी मां व बहन से करायी। पीड़िता का कहना है कि बातचीत के बाद निशांत उसके पीछे ही पड़ गया। वह अक्सर उससे शादी करने की बात कहता रहा। एक दिन निशांत कार से चालक संग युवती को लेकर अलीगंज के चंदलोक कालोनी स्थित दोस्त के घर पर ले गया। आरोप है कि निशांत ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

# लखनऊ के सराफ को बिना नोटिस ही उठाकर ले गई नेपाल पुलिस

लखनऊ। नेपाल में 13 साल पहले हुए सामूहिक हत्याकांड में मड़ियांव निवासी किशोरी लाल को वहां की पुलिस किस नियम के तहत उठा ले गई, इसकी जांच राजधानी पुलिस ने शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी का कहना है कि इसके लिए नेपाल दूतावास से संपर्क किया गया है। उधर, सराफ के बेटे विकास सोनी ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री को पत्र लिखकर उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रियदर्शिनी कॉलोनी निवासी सराफ किशोरी लाल को 28 सितंबर की शाम सफेद रंग की स्विफ्ट कार सवार कुछ लोग

उठाकर ले गए थे। सराफ के बेटे विकास सोनी ने मड़ियांव थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में पता चला कि किशोरी लाल को नेपाल के नेपालगंज में 13 साल पहले उनके दामाद दीपक हेमकर समेत पांच लोगों की हत्या के आरोप में वहां की पुलिस पकड़कर ले गई है।

उन्होंने कहा कि नेपाल मित्र देश है लेकिन उन्हें भारत से किसी भी व्यक्ति को पकड़ने के लिए निर्धारित प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए थी। नेपाल पुलिस ने न ही भारतीय दूतावास को सूचना दी न ही स्थानीय स्तर पर पुलिस से संपर्क किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भारतीय दूतावास और नेपाली दूतावास से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी की जा रही है।

इस बीच सराफा के बेटे विकास ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री को भेजे पत्र में इस प्रकरण की जांच किसी उच्च अधिकारी से कराए जाने की मांग की है। विकास का कहना है कि 13 साल पुराने हत्याकांड में उनके पिता की भूमिका के बारे में परिवारीजनों को नेपाल पुलिस की तरफ से अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई थी। अगर नेपाल पुलिस ने हत्याकांड में उनके पिता को गिरफ्तार किया है तो भारत देश की कानूनी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था।

# आप सांसद ने कहा पेट्रोल-डीजल के दाम कम करना चुनावी चाल

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल–डीजल की कीमतों में 2.50 रुपये कम किए जाने को भाजपा की चुनावी चाल बताया है।

आप के उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यहां शुक्रवार को कहा कि तीन राज्यों के चुनाव की तरीखें दो–तीन दिन में घोषित होने वाली हैं। उसके ठीक पहले केंद्र सरकार का पेट्रोल–डीजल की कीमतें थोड़ा कम करना दिखावा मात्र है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह गुजरात, कर्नाटक के चुनाव से पहले भी मोदी सरकार ने तेल की कीमत कम कर दी थी, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद तुरंत तेल की कीमतें बढ़ा दी गईं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले साढ़े चार साल के कार्यकाल में डीजल पर 443 प्रतिशत और पेट्रोल पर 213 प्रतिशत टैक्स

# चरित्रहीनता के चलते पत्नी की हत्या

लखनऊ। गाजीपुर जिले के एक गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के अवैध संबंधों के शक में उसकी धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी और खुद फांसी पर लटक गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने किसी तरह व्यक्ति को फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार गाजीपुर कोतवाली क्षेत्र के के नागतारा गांव निवासी युवक भोला बिंद की शादी 3 साल पहले हुई थी। भोला अपने माता–पिता से अलग पत्नी के साथ रहता है और उसे अपनी पत्नी पर किसी अन्य युवक से अवैध संबंध होने का शक था। पत्नी जब किसी से भी फोन पर बात करती थी तो वह मना करता था। इस बात को लेकर दोनों में अक्सर झगड़ा होता रहता था। गुरुवार की सुबह भी इसी बात को लेकर झगड़ा हो गया।

गुस्साए भोला ने घर में रखे धारदार हथियार से पत्नी का गला काट दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद भोला दरवाजा बंद कर खुद फंदे पर लटक गया। आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि वह फंदे से लटक रहा है और उसकी पत्नी खून से सनी पड़ी थी।

भोला के पिता बल्ली बिंद ने बताया कि मेरा बेटा मेहनत–मजदूरी का काम करता है। गुरुवार की सुबह जब मैं घर से बाहर गया तो परिवार के लोगों ने मुझे फोन कर बताया कि भोला कमरे का दरवाजा बंद कर पत्नी के साथ में है और अंदर से पति–पत्नी की शोर सुनाई दे रहा है। दरवाजा खटखटाने पर नहीं खोल रहा है। इस सूचना पर मैं घर पहुंचा।

# डीजीपी ओपी सिंह की अपील व निर्देश बेअसर

लखनऊ। एपल के एरिया सेल्स मैनेजर विवेक तिवारी की हत्या के मामले में दो सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रदेश में उनके सहयोगी लामबंद हैं। डीजीपी ओपी सिंह

## पुलिसकर्मियों ने बांधी काली पट्टी

की अपील तथा निर्देश के बाद भी आज प्रदेश में सिपाहियों ने सिपाही प्रशांत चौधरी व संदीप कुमार के पक्ष में एकजुटता का प्रदर्शन किया। प्रदेश में जगह–जगह पर सिपाही काला फीता बांधकर काम करते दिखे। उधर डीजीपी के निर्देश पर इलाहाबाद में दो बर्खास्त सिपाहियों को गिरफ्तार भी किया गया है। इन दोनों ने शनिवार को इलाहाबाद में बैठक करने का कार्यक्रम तय किया था।

लखनऊ में विवेक तिवारी

की हत्या के मुख्य आरोपी सिपाही प्रशांत चौधरी तथा संदीप कुमार के पक्ष में प्रदेश पुलिस में उनके सहयोगी माहौल बनाने में लगे हैं। विवेक तिवारी हत्याकांड में जेल में बंद दो सिपाहियों प्रशांत चौधरी और संदीप कुमार के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में आज प्रदेश के हर जिले में पुलिसकर्मी काली पट्टी बांधकर ड्यूटी पर पहुंचे। लखनऊ में भी गुडंबा, अलीगंज और नाका पुलिस स्टेशन पर कई सिपाही हाथों में काली पट्टी बांधे नजर आए। काली पट्टी बांधे सिपाहियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। पुलिसकर्मियों के कुछ संगठनों ने पांच अक्टूबर को काला दिवस मनाने की मुहिम सोशल मीडिया पर शुरू की थी।

# एस–400 डिफेंस सिस्टम मिलने के बाद भारत का सुरक्षा परिदृश्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दो दिन के भारत–दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एस–400एयर डिफेंस सिस्टम पर डील हुई है। डील से पहले की रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस करीब 5 अरब डॉलर यानी 40 हजार करोड़ रुपए में एस–400 डिफेंस सिस्टम की पांच रेजिमेंट्स भारत को बेचेगा। यह डिफेंस सिस्टम भारत को 2020 में मिलेगा, जिससे देश की एयर फोर्स मजबूत होगी।

पहले सेनाएं जमीन पर लड़ती थीं। फिर उन्होंने पानी में लड़ना सीखा। इसके बाद बारी आसमान की थी। वक्त के साथ एक से एक मारक लड़ाकू विमान, बम और मिसाइलें विकसित हुईं, जिन्होंने इंसानी जिंदगी को तुच्छ समझने का दुरूस्साहस किया। लेकिन, हम ठहरे इंसान। हमारे दिमाग में फितूर चलता रहता है।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद जब दुनिया कोल्ड वॉर में डूबी हुई थी, तब अमेरिका की कंपनियां अपने लड़ाकू विमान और विकसित करने में लगी हुई थीं। मारने की तकनीक को बेहतर बनाने की जिद का अपना कोई मोल नहीं है, जब तक उसे कोई पूरक न मिल जाए। अमेरिका की जिद का पूरक था सोवियत संघ, जिसे अपनी हवाई मारक क्षमता बढ़ाने की जरूरत महसूस होती रही। सोवियत संघ में रूस सबसे आगे था। दोनों देशों की प्रतियोगिता में तीसरी, चौथी यहां तक कि पांचवी पीढ़ी तक के लड़ाकू विमान विकसित

हुए।

इस अंधी दौड़ में भागते हुए किसी मोड़ पर रूस को अहसास हुआ कि वह मारने वाले हथियारों के मामले में वह अमेरिका से आगे नहीं निकल सकता। तो उसने फितूर निकाला कि अगर वह विमानों से नहीं मार सकता, तो वह विमानों को मारने की कोशिश करेगा। इसी अहसास के साथ सोवियत संघ ने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों को गिराने वाली तकनीक पर काम करना शुरू कर दिया।

1967 में सोवियत संघ ने एस–200 नाम का एयर डिफेंस सिस्टम ईजाद किया, जिसका आज भी इस्तेमाल हो रहा है। 1978 में एस–300 आया। 1991 में सोवियत संघ का विघटन हो गया और इसके सबसे बड़े बेटे रूस को विरासत में ढेरों हथियार मिले। 2007 में रूस ने एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया, जिसे भारत अब खरीद रहा है। 21वीं सदी के पहले क्वॉर्टर की बात करें, तो यह अभी तक का बेस्ट एयर डिफेंस सिस्टम है।

रूस ने भारत के पड़ोसी चीन को भी यह डिफेंस सिस्टम बेचा है, जो उसे 2018 खत्म होते–होते मिल जाएगा। भारत को यह 2020 में मिलेगा और तब तक रूस अपनी सीमाओं पर इसका भी अपग्रेडेड वर्जन एस–500 तैनात करेगा। अमेरिका को इस सिस्टम और इसकी खरीदी–बिक्री से ऐतराज है। इस मामले में अमेरिका के लिए ईरान, सीरिया और भारत... सब बराबर हैं।

इसका काम देश में होने वाले किसी भी संभावित हवाई हमले का पता लगाना है। यह तमाम तरह के रेडार और उपग्रहों की मदद से जानकारी जुटाता है। इस जानकारी के आधार पर यह बता सकता है कि लड़ाकू विमान कहां से हमला कर सकते हैं। इसके अलावा यह एंटी–मिसाइल दागकर दुश्मन विमानों और मिसाइलों को हवा में ही खत्म कर सकता है।

# शिरोज कैफे को नोटिस सरकार की बड़ी गल्ती : एसिड अटैक पीड़ित

लखनऊ। राजधानी में एसिड अटैक पीड़ितों का नाम लेते ही सबके मन में शिरोज कैफे आता है, कभी दुनिया से छुपने वाली या कपड़े से मुँह ढकने वाली यह महिलाएं घरों में दुबकी रहती थी लेकिन मार्च 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मदद से छाँव फॉउंडेशन द्वारा गोमतीनगर स्तिथ शिरोज हैंगआउट नामक कैफे खोला गया। इस कैफे का मकसद था एसिड अटैक पीड़ितों को रोजगार से जोड़ना।

किसी मनचले या कभी किसी अपने के ही चलते जो इन महिलाओं के साथ हुआ वो दास्तान तो भयावह है ही लेकिन इनके दर्द फिर से उठे है और आंसू भी छलके है, वजह है इनसे छिनता यह कैफे।

शिरोज हैंगआउट में लगभग 2 साल से भी ज़्यादा वक्त से काम कर रही रेशमा बताती है कि एसिड अटैक हादसे के बाद से उनकी जिंदगी कैसे बदल गयी थी सब उन्हें पीड़ित बताया करते थे लेकिन शिरोज आकर उन्हें एसिड अटैक पीड़ित की जगह सब एसिड अटैक फाइटर कहने लगे। रेशमा रुंधे हुए गले से कहती है कि शिरोज बन्द होने के नाम से ही उनको लगता है जैसे एक अटैक और उनपर हो गया हो।

वहीं एसिड अटैक सर्वाइवर रुपाली कहती है कि, खुद अपने ही घर में उन्हें मुँह छुपा कर रहना पड़ता था, बाहर वालों से मिलना जुलना खत्म हो गया था। लेकिन जब शिरोज आयी तो एक नई दुनिया जैसे मिल गयी जो सब छिन गया तो मानो वो उन्हें वापस मिल गया हो, लेकिन शिरोज कैफे को महिला कल्याण निगम के नोटिस मिलने पर उनका कहना है कि मानो उनके पैरों के नीचे से जमीन निकल गयी हो।

शिरोज में 2 साल से काम कर रही और काफी कम उम्र की जीतू शर्मा का कहना है कि योगी सरकार जो महिलाओं के हितों की बात करती है महिला सशक्तिकरण के नारे देती है उसके द्वारा इस तरह के कदम से सभी एसिड अटैक पीड़ितांए आहत है।

जहाँ एक तरफ एसिड अटैक पीड़ितों के लिए राजनीतिक दल से लेकर तमाम समजेसवी सामने आ रहे है और सोशल मीडिया पर कई कैम्पेन चल रहे है तो वहीं लखनऊ शहर के बड़े मुस्लिम रहनुमा भी इनके समर्थन में उतर आए है। शिया धर्मगुरु ने सरकार पर तल्ख टिप्पड़ी करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार नारी हितों की बात करती है कभी तीन तलाक और कभी हलाला के नाम पर लड़ाई लड़ने की बात कर रही है लेकिन एसिड से पीड़ित जो महिलाएं उनको सड़क पर क्यों लाने में लगी है यह सरकार।

वहीं बड़े मुस्लिम रहनुमा मौलाना खालिद राशीद फिरंगी महली ने कहा है कि मौजूदा हुकूमत को इस तरीके के कैफे को बंद नही करना चाहिए क्योंकि यहाँ काम करने वाली महिलाएं मजबूर है जिन्हें और जगह काम नहीं मिल रहा है और वो यहाँ अपनी मेहनत से और आजादी से 2 वक्त की खुशी खुशी रोटी कमाती है।

वहीं छाँव फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर दुर्गा प्रसाद बताते है कि उनको अचानक एक दिन महिला कल्याण निगम की ओर से लेटर आता है कि इस कैफे को चलाने का कोई औचित्य नही है जिसपर दुर्गा सरकार से सवाल खड़ा करते दिखते है कि अगर यह रोजगार का माध्यम इनसे छीन लिया जाएगा तो क्या इन्हें सरकारी नौकरी या इनके रिहैबिलिटेशन का कोई प्लान है सरकार के पास, वही दुर्गा कहते है कि यहाँ रिसेप्शन से लेकर सर्विसिंग तक एसिड अटैक सर्वाइवर्स करती है लेकिन अगर उनसे यह रोजगार छिन जाएगा तो आगे वो ठेला लगाने पर मजबूर हो जायेंगे।

# अखिलेश को दिया शिवपाल ने जवाब, कहा वह अपना काम करें

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव पर दिए गए बयान के बाद सूबे की सियासत गरमा गई है। अखिलेश ने अपने चाचा पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि समय आने पर उनको जवाब देंगे। इसी बयान पर शिवपाल सिंह यादव ने पलटवार किया है।

शिवपाल सिंह यादव से जब पूछा गया कि सपा प्रमुख उनके भतीजे अखिलेश यादव उन्हें समय आने पर जवाब देने की बात कह रहे हैं तो शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हमें उनके बारे में कुछ नहीं कहना है। वह अपना काम करें और हमें अपना काम करने दें। शिवपाल सिंह यादव ने राजधानी में विवेक तिवारी हत्याकांड के बाद सिपाहियों द्वारा विरोध में उतर आने के सवाल पर कहा कि सरकार को संज्ञान में लेना चाहिए मगर व्यवस्था चौपट है। कार्यकर्ताओं के शोरगुल के आगे शिवपाल की आवाज स्पष्ट तौर पर तो नहीं सुनाई दी मगर उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था, विवेक तिवारी हत्याकाण्ड के बाद पुलिस के बगावती तेवर के लिए सरकार को कटघरे में खड़ा किया। शनिवार को बाराबंकी से होकर गुजर रहे समाजवादी पार्टी के खिलाफ बगावती रुख अख्तियार किये नवगठित प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव का जनपद के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान शिवपाल सिंह यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कार की छत से सम्बोधित भी किया।

# पिछड़ों का दर्द शब्दों में पिरोने वाले मनोज रूपड़ा को कथाक्रम सम्मान

लखनऊ। समाज की पीड़ा शब्दों में उतारने वाले लेखक व कथाकार नागपुर के मनोज रूपड़ा को इस बार का आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान दिया जाएगा। 18 नवंबर को राजधानी में होने वाले कथाक्रम में उन्हें 15 हजार रुपये धनराशि, सम्मान चिह्न व पत्रक से नवाजा जाएगा।

कथाक्रम संयोजक शैलेंद्र सागर ने बताया कि कथाक्रम सम्मान समिति ने मनोज को यह सम्मान दिए जाने पर सहमति बनाई। समिति में शैलेंद्र के अलावा वरिष्ठ कहानीकार शिवमूर्ति, लेखिका रजनी गुप्त, रंगकर्मी राकेश शामिल रहे। सम्मान 18 नवंबर को लखनऊ में होने वाले कथाक्रम के तहत होगा।

दिसंबर 1963 को जन्मे मनोज रुपड़ा हिंदी के कथाकार हैं। वह तीन दशकों से भी अधिक समय से आर्थिक रूप से कमजोर व पिछड़े लोगों के स्वप्न, संघर्ष और पीड़ा को अपने लेखन में पिरोते आए हैं। उनके तीन कहानी संग्रह दफन और अन्य कहानियां, साज–नासाज, व टावर ऑफ लाइसेंस के साथ ही दो उपन्यास प्रति संसार और काले उपाध्याय प्रकाशित हो चुके हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### लखनऊ के रास्ते एक और नई हमसफर ट्रेन

लखनऊ। राजधानीवासियों के लिए अच्छी खबर यह है कि उनको अब एक और नई हमसफर ट्रेन की सौगात मिलेगी। नई साप्ताहिक ट्रेन लखनऊ के रास्ते उदयपुर सिटी–पाटलिपुत्र के बीच चलेगी। उत्तर रेलवे ने शुक्रवार को नई ट्रेन हमसफर एक्सप्रेस की घोषणा कर दी। उदयपुर सिटी से दस अक्टूबर को तो पाटलिपुत्र से 12 अक्टूबर को नई ट्रेन हमसफर एक्सप्रेस का संचलन शुरू होगा।लखनऊ के रास्ते वर्तमान में गोरखपुर से दो हमसफर ट्रेनें बलरामपुर व गोण्डा के रास्ते आनंद विहार के बीच चलती है। एक कटिहार से आनंद विहार के बीच चम्पारण हमसफर एक्सप्रेस तो एक सियालदह हमसफर एक्सप्रेस का संचलन होता है। इसके बाद लखनऊवासियों को उदयपुर सिटी–पाटलिपुत्र हमसफर एक्सप्रेस की सुविधा मिलेगी।रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि 19669 उदयपुर सिटी–पाटलिपुत्र एक्सप्रेस उदयपुर सिटी से 12.20 बजे रवाना होगी।

### दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

गोसाईगंज–लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार से दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। क्षेत्र के एक निजी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी राम नरायण यादव व खंड विकास अधिकारी सव्रेश तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रथम दिन आयोजित 100 मी बालक व बालिका रेस, 200 मी बालक रेस मे 100 मी की बालिका रेस में प्राथमिक विद्यालय बक्कास की खुशबू ने प्रथम, सुरियामऊ प्राथमिक विद्यालय की शिवानी में द्वितीय व बहरौली की कोमल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालकों की श्रेणी में बक्कास प्राथमिक स्कूल के श्रीकरन को प्रथम, गोमीखेड़ा के शिवम को द्वितीय और बक्कास के रामलखन को तृतीय स्थान मिला।

### मलिहाबाद में ही हो सका घर-घर सर्वेक्षण कार्य

लखनऊ। कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठकमें उप जिला निर्वाचन अधिकारीध अपर जिलाधिकारी प्रशासन, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सभी एसीएम सभी उप जिलाधिकारी व तहसीलदारों ने भाग लिया। घर–घर बीएलओ के सव्रेक्षण की समीक्षा पर पता चला कि केवल मलिहाबाद में ही शत प्रतिशत सव्रेक्षण का कार्य पूरा हुआ है। बाकी किसी भी विधानसभा क्षेत्र में सव्रेक्षण पूरा नही हुआ जिसके लिए डीएम ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि 9 से 12 अक्टूबर तक सभी बीएलओ भ्रमणशील रह कर दिव्यांगजन व नए वोटरों को घर–घर जाकर चिह्नित करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं, जेंडर रेशियो और नए वोटरों को कवर करना है।

### बच्चों ने श्रृंखला बनाकर की तम्बाकू छोड़ने की अपील

लखनऊ। हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर शुक्रवार को सुबह स्कूली बच्चों ने अपने तम्बाकू से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश में तम्बाकू व गुटखे से होने वाली बीमारियों में भारी इजाफा हुआ है। इसी क्रम में शुक्रवार को टोबैको फ्री लखनऊ की ओर से करीब 200 स्कूली बच्चों ने श्रृंखला बनाकर लखनऊ वासियों से तम्बाकू छोड़ने की अपील की ।

# भारत ने 7 रोहिंग्या प्रवासियों को वापस भेजा म्यांमार

नयी दिल्ली। भारत ने गुरुवार को सात रोहिंग्या प्रवासियों को म्यांमार वापस भेज दिया. सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें म्यांमार वापस न भेजा जाए की मांग को खारिज कर दिया था. इसके तुरंत बाद ही सातों प्रवासियों को वापस म्यांमार भेज दिया गया. ये रोहिंग्या प्रवासी करीब छह सालों पहले भारत में अवैध रूप से घुसे थे और उन्हें जेल भेज दिया गया था. इस कदम की मानवाधिकार समूहों ने आलोचना की.

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने आरोप लगाया कि भारत सरकार रोहिंग्या प्रवासियों के खिलाफ 'लगातार बदनाम' करने का अभियान चला रही है और यह देश में शरण चाहने वालों के लिए एक 'खतरनाक' मिसाल बन रही है. 26 से 32 साल की आयु वर्ग वाले इन पुरुषों को 2012 में पकड़ा गया था. उन्हें बाद में असम के सिलचर स्थित कछार केंद्रीय जेल में डाल दिया गया था. इससे पहले एक अदालत ने उन्हें विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत दोषी ठहराया था.

इन प्रवासियों को मणिपुर में मोरेह सीमा चौकी पर म्यामांर अधिकारियों को सौंपा गया.

जे महंत ने कहा कि म्यांमार के राजनयिकों को दूतावास की पहुंच प्रदान की गई थी जिन्होंने प्रवासियों की पहचान की पुष्टि की. केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अवैध प्रवासियों की म्यांमार की नागरिकता की पुष्टि पड़ोसी देश की सरकार द्वारा रखाइन प्रांत में उनके पते के सत्यापन के बाद हुई और इन सभी को म्यांमार की सरकार ने यात्रा दस्तावेज प्रदान किये. अधिकारी ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि रोहिंग्या प्रवासियों को भारत से वापस भेजा गया है.

विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन सात रोहिंग्या प्रवासियों की म्यांमार वापसी उनके वापस जाने की इच्छा की पुष्टि करने और म्यांमार सरकार की पूर्ण सहमति से किया गया है. इससे पहले दिन में सुप्रीम कोर्ट ने सात रोहिंग्याओं को म्यामांर भेजने के सरकार के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. न्यायालय ने इस संबंध में दायर एक अर्जी खारिज कर दी.

न्यायालय ने सात रोहिंग्या प्रवासियों को वापस भेजने की इजाजत देते हुए कहा कि सक्षम अदालत ने उन्हें अवैध प्रवासी पाया. प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की पीठ ने सरकार के फैसले में हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुये कहा कि उनके देश म्यांमार ने उन्हें अपने देश के मूल नागरिक के रूप में स्वीकार कर लिया है.

पीठ ने कहा कि अनुरोध पर विचार करने के बाद हम इस संबंध में किये गये फैसले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते. याचिका खारिज की जाती है. पीठ ने सातों रोहिंग्या में से एक द्वारा दायर एक अर्जी खारिज कर दी जिसने असम के सिलचर में हिरासत केंद्र में बंद सातों रोहिंग्या को वापस म्यांमार भेजने से केंद्र के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी.

# लतीफपुर ग्राम पंचायत में खुली बैठक का आयोजन

माल–लखनऊ । विकास खण्ड की लतीफपुर ग्राम पंचायत में खुली बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पंचायत में चलायी जा रही जनहित की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गयी साथ ही वर्ष 2018–19 की योजनाओं का प्रारूप भी प्रस्तुत किया जिसे अधिकरियों की स्वीकृति लिए भेजना सर्व सम्मत से तय हुआ।बैठक में पंचायती विभाग के अपर सचिव ने ग्राम पंचायत में गठित स्वयं सहायता समूहों की स्थिति व प्रगति की विस्तार से पड़ताल की साथ ही समूहों के सदस्यों से ईमानदारी और लगन से कामकर समृद्ध बनने को कहा। इसके अलावा मैंगो बेल्ट देखकर सरकार की पंचायतों के लिये दो करोड़ की लागत से आम की पैकिंग के लिये बक्से बनाने,मैंगो पैक तैयार करनेऔर समूह गठित कर आम निर्यात करने का लाभ लेकर आम व्यवसाय को बढ़ाने का आह्वान किया। इस योजना का लाभ देश के किसी भी जिले की पंचायत सामूहिक रूप से ले सकती है। राशन सभी को न मिल पाने के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार 89 प्रतिशत लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। उन्होंने साफ किया कि पहले की अपेक्षा पंचायतों को चौदहवें वित्त में अब कहीं ज्यादा धन दिया जा रहा है।

# विरोध करनेवालों पर सरकार सख्त, तीन एसओ नपे,तीन सिपाही निलंबित

लखनऊ। विवेक तिवारी हत्याकांड में बर्खास्त सिपाहियों प्रशांत चौधरी व संदीप कुमार के पक्ष में खड़े हो रहे पुलिसकर्मियों के खिलाफ शुक्रवार को विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ के तीन थानेदारों को हटा दिया गया और इन्हीं थानों के तीन सिपाहियों को निलंबित भी किया गया। इसके साथ ही वाराणसी व मीरजापुर में दो बर्खास्त सिपाही भी गिरफ्तार कर लिए गए। दरअसल इस मामले में पुलिस महानिदेशक

ओपी सिंह का अनुशासन का डंडा बेजान निकला। गुरुवार को की गई उनकी अपील के बाद भी सिपाहियों ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम मुख्य सचिव अनूपचंद्र पांडेय, प्रमुख सचिव गृह अरविंद कुमार व डीजीपी ओपी सिंह को तलब कर तस्वीरों व कार्रवाई के बारे में पूरी जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने डीजीपी से कड़ी नाराजगी जताई।

# वाराणसी में 2 समुदायों के बीच हुई लड़ाई, 6 लोग घायल

लखनऊ ! वाराणसी में दो समुदायों के युवाओं के बीच हुई झड़प में छह लोग घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार रात कज्जाकपुरा रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। दोनों पक्षों की ओर से पथराव करने की खबरें हैं। आसपास के इलाकों जैसे जलालीपुरा, हनुमान गेट और सरैया में भी तनाव फैल गया।

वाराणसीझड़प के सांप्रदायिक हिंसा में बदलने के डर से जिला अधिकारी (डीएम) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) की अगुवाई में कई वरिष्ठ अधिकारी अतिरिक्त पुलिसबल के साथ जल्द ही घटनास्थल पर पहुंच गए और स्थिति को नियंत्रण में किया।

वाराणसी के एसएसपी के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) सर्वेश मिश्रा ने आईएएनएस को बताया कि अतिरिक्त पुलिसबल की तैनाती की गई है और स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। उन्होंने कहा, "किसी को ज्यादा चोट नहीं आई है और स्थिति पूरी तरह से सामान्य है।"

# अमरसिंह ने कहा मायावती से गठबंधन कर ले शिवपाल यादव

लखनऊरू बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए मना करने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ महागठबंधन का दावा भरने वाली कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. मायावती के गठबंधन से इंकार करने के एक दिन बाद आज समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता अमर सिंह ने कहा है कि शिवपाल यादव के समाजवादी सेक्युलर मोर्चा को मायावती के साथ सहयोग करने पर विचार करना चाहिए.

अमरसिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि मायावती छोटे

दलों के साथ चुनावी संबंध बनाने के लिए खुली हैं, इसलिए शिवपाल सिंह यादव को कोशिश करनी चाहिए. उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमरसिंह ने कहा था कि वे चाहते हैं कि शिवपाल भाजपा में शामिल हों. हालांकि शिवपाल यादव ने अभी तक अमरसिंह के सुझाव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन समाजवादी पार्टी के नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ सपा–बसपा गठबंधन को तोड़ने का एक प्रयत्न था.

अमरसिंह के इस बयान पर सपा नेता अब्दुल हफीज गांधी ने कहा है कि अमरसिंह का बयान ध्यान देने लायक नहीं है. उन्होंने कहा, हम जो कुछ भी कह सकते हैं वह यह है कि सपा–बीएसपी गठबंधन दृढ़ता से ट्रैक पर है और इसके साथ ही हम 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा को हरा देंगे. आपको बता दें कि सपा–बसपा हमेशा से दलित वोट बैंक की राजनीति करती आई है, वर्तमान में भी सपा ने बीजेपी के दलित वोट बैंक को काटने के लिए व्ठ कनेक्ट अभियान चलाया है, जबकि बसपा राज्य में 'भाई चारा समिति' के द्वारा वोट हथियाने में लगी है.

# टैक्स चोरी को लांच कर दिया जीएसटी ब्रांड पान–मसाला

लखनऊ। अगर ये कहा जाएं की टैक्सचोरी रोकने व टैक्स की दरों में समानता के लिए लागू की गयी, गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) ने भी अपने ब्रान्ड का एक पान–मसाला लांच कर दिया है तो हैरत में पड़ना लाजमी है, लेकिन ऐसा हुआ है, भले ही ये नयाब अविष्कार टैक्स चोरी में संलिप्त टैक्स माफियाओं ने किया है। इसका खुलासा शुक्रवार को लखनऊ वाणिज्य कर विभाग की सचल दल प्रथम यूनिट की जांच में होने के बाद हड़कम्प मच गया। भूसे के ट्रक में छिपाकर लाये जा रहे पान–मसाला का जो ट्रक दो दिन पहले पकड़ा गया था, उसकी जांच के लिए शुक्रवार को जब बोरियां खोली गयीं तो कई बोरियों में पुकार ब्रान्ड के साथ ही जीएसटी व एचटीसी ब्रान्ड के नाम का कई बोरियों में पान–मसाला भी निकला। विभाग ने पकड़े गयी पान–मसाले की 78 बोरियों पर 25 लाख से अधिक का टैक्स व जुर्माना लगाया है।

# पत्नी के बयान मुझसे गलती हो गई की वजह से बरी हुआ मशहूर ऐंकर!

नई दिल्ली। करीब 17 सालों से पत्नी अंजू के हत्या के आरोपों का सामना कर रहे पूर्व टीवी ऐंकर–प्रड्यूसर सुहैब इलयासी के लिए शुक्रवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया, जिन्हें दिल्ली हाई कोर्ट ने इस आरोप से बरी कर दिया। कोर्ट ने अभियोजन के केस में तमाम खामियां गिनाते हुए कहा कि वह यह साबित नहीं कर पाया कि सुहैब की पत्नी अंजू की हत्या की गई थी या उन्होंने आत्महत्या की।

जस्टिस एस मुरलीधर और विनोद गोयल की बेंच ने सुहैब इलयासी की निचली अदालत के पिछले साल 16 दिसंबर को सुनाए गए फैसले के खिलाफ दायर अपील को मंजूर कर लिया। 112 पन्नों के इस फैसले के सारांश को हाई कोर्ट ने 13 बिंदुओं में बांधा है। इसके तहत हाई कोर्ट ने मृतक यानी अंजू की मां और दो बहनों के इस बयान को भरोसे लायक नहीं माना कि सुहैब दहेज के लिए पत्नी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। मेडिकल बोर्ड के इस निष्कर्ष को भी ठुकरा दिया कि साक्ष्य अंजू की हत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा, सबसे ज्यादा जरूरी यह साबित करना था कि मौत की वजह हत्या ही थी लेकिन अभियोजन इस अहम कड़ी को ही जोड़ने में नाकाम रहा।

अपने फैसले में सबसे अहम बात हाई कोर्ट ने यह कही कि महज इसीलिए कि मृतक घटना से करीब दो घंटे पहले बिल्कुल ठीक ठाक थी, इससे आत्महत्या की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता जो इलियासी के साथ उसके झगड़े का नतीजा हो सकती है। हाई कोर्ट ने मृतक की बहन पर शक जताते हुए कहा कि इलयासी को दोषी साबित करवाने में

उनका निजी हित रहा। इन्हीं के बयान पर केस दर्ज हुआ और जांच शुरू हुई। उसकी गवाही से उन मापदंडों पर सामने आने वाली सचाई और भरोसे को नहीं झुठलाया जा सकता जो सुप्रीम कोर्ट ने तय किए हैं।

घटना के बाद इलियासी का जो बर्ताव रहा, उसे भी कोर्ट ने एक हत्यारे का बर्ताव मानने से इनकार कर दिया। इन सबके अलावा हाई कोर्ट ने इलयासी के पीएसओ की गवाही पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया, जो घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचा था। इसने अपनी गवाही में कहा था कि उसे आरोपी ने खुद वहां बुलाया था और मृतक को उठाने में मदद करने के लिए कहा था। उसने कहा था कि अस्पताल ले जाए जाने के दौरान मृतक लगातार उससे गलती होने की बात कह रही थी। बेंच ने कहा कि उस पीएसओ के बयान को कोई चुनौती नहीं दी गई जिसने कहा था कि मृतक ने इससे गाड़ी में बोला कि उससे गलती हो गई है, जिससे अभियोजन की थ्योरी खुद ब खुद गलत साबित हो जाती है कि इलियासी ने पत्नी की हत्या की।

हाई कोर्ट ने कहा कि इस पीएसओ के बयान मात्र से सूइसाइड की थ्योरी सामने आती है। इससे पता चलता है कि मृतक अपने को चाकू घोंप कर पछता रही थी। मृतक को घटना के बाद मेडिकल सहायता में देरी न होने और मौत के बाद आरोपी को अस्पताल में बुरी तरह टूटते हुए देखे जाने को भी हाई कोर्ट ने अपने इस फैसले का आधार बताया।

90 के दशक में अपने शो के जरिये अपराधियों की नींद उड़ाने वाले और टीवी शो श्इंडियाज मोस्ट वांटेडश के होस्ट के रूप में प्रसिद्धि पाने वाले सुहैब इलियासी को अपनी पत्नी अंजू इलियासी की हत्या के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बरी कर दिया है. टीवी शो श्इंडियाज मोस्ट वांटेडश के होस्ट सुहैब इलियासी को पत्नी की हत्या के 17 साल पुराने मामले में दिल्ली की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी. अदालत ने इस मामले में इलियासी को 17 दिसंबर को दोषी करार दिया था. सुहैब इलियासी एक ऐसे पत्रकार के रूप में जाने जाते रहे, जिन्होंने क्राइम पत्रकारिता को एक नये मुकाम पर पहुंचा दिया और खोजी पत्रकारिता का एक नया मानक स्थापित किया. एक समय था, जब इनके शो को देखकर अपराधी खौफ खाया करते थे.

# कैसरबाग बारादरी में हस्ताशिल्पी सिल्क इंडिया प्रदर्शनी शुरू

लखनऊ। दीपावली को देखते हुए ''हस्तशिल्पी' लखनऊ के तत्वावधान में कैसरबाग बारादरी में अगले ग्यारह दिनों के लिए ''हस्तशिल्पी सिल्क इंडिया–2018' की प्रदर्शनी शुरू हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा विधायक शैलेन्द्र सिंह ''शैलू' ने फीता काटकर किया। शैलेन्द्र सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विभिन्न शहरों से आये रेशम साड़ी बुनकर, हैंडलूम क्लस्टर और रेशम सहकारी समितियों के लोगों से मुलाकात की और उनके उत्पादों की सराहना की। आयोजक डायरेक्टर टी अभिनन्द ने बताया प्रदर्शनी में अरिनी सिल्क, क्रेप और जाज़ेट सिल्क, शिफॉन रेशम, टसर रेशम और सूट, कांजीवारम रेशम साड़ी और वेडिंग सरिस, डिजाइनर फैंसी सरिस, दर्मवारम सिल्क, कच्चे रेशम और तस्सार, जूट सिल्क, ढाका सिल्क, हैंडलूम रेशम कपास, सिल्क ब्लेंड्स और स्टोल, रेशम शॉल, उपपाडा, गडवाल, पैठानी साड़ी, मंगलगिरि और पोचंपल्ली सिल्क के कई उत्पाद मिल रहे हैं। इसके अलावा रेशम उत्पादों ,हैंड ब्लॉक प्रिंट सरिस, सूट और रेशम बिस्तर कवर, डिजाइनर ड्रेस सामग्री और सीमा, लाज, कुर्ति, हाथ बुना मटका और असम मुगा कपड़े, अपूर्व सिल्क सरिस, बलुची, ढाका मास्ली, गिचा सरिस, बुटीक सरिस, कंध सरिस, जोरोशी, लखनऊ चिकन वर्क साड़ी, भागलपुर सूट, मुद्रित सिल्क सरिस आदि भी प्रदर्शनी में मौजूद हैं।

# ममता सरकार को कोर्ट का झटका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को झटका देते हुए कोलकाता हाईकोर्ट ने दुर्गा पंडाल के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता पर मंगलवार तक रोक लगा दी है. कोलकाता हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि किस फंड से दुर्गा पंडाल के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता की जा रही है. कोर्ट ने इस संबंध में सरकार को हलफनामा दायर करने का भी आदेश दिया है. मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को निर्धारित की गई है.

जानकारी के अनुसार ममता सरकार ने राज्य की 28 हजार दुर्गा पूजा समिति को 10–10 हजार रुपये देने की घोषणा की थी. सरकार के इस फैसले से ममता सरकार पर 28 हजार करोड़ का बोझ पड़ेगा. इस मामले पर अब जनहित याचिका दायर कर इस पर रोक लगाए जाने की मांग की गई है. कोलकाता हाईकोर्ट ने अब ममता सरकार से पूछा है कि किस फंड से इस धनराशि का वितरण किया जा रहा



है. इस संबंध में सरकार को हलफनामा भी दायर करने के निर्देश दिए गए हैं. मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को निर्धारित की गई है.कोलकाता के फुरफुरा शरीफ के इमाम पीरजादा ताहा सिद्दिकी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की है। वह एक ऐसे प्रभावित करने वाले इमाम हैं जिन्हें हर राजनीतिक पार्टी अपने पक्ष में करना चाहती है। उन्होंने कहा, 'जो लोग भाजपा पर सांप्रदायिक भावनाओं को उत्तेजित करने का आरोप लगाते हैं, कई बार वह खुद उसमें शामिल हो जाते हैं। तृणमूल ने दम दम धमाके के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था जोकि हालिया उदाहरण है।' उन्होंने बनर्जी की सरकार की काफी आलोचना की है।

ममता बनर्जी की सरकार ने यह फैसला लिया है कि वह दुर्गा पूजा समितियों को पंडाल बनाने के लिए 28 करोड़ रुपये देगी। इस घोषणा के एक दिन बाद ही फैसले के विरोध में आयोजित की गई रैली के दौरान इमाम ने सरकार की आलोचना की। पीरजादा ने हजारों मुस्लिम युवाओं के साथ टीपू सुल्ताम मस्जिद के बार सरकार पर हमला किया और कोलकाता पुलिस को उन्हें रैली करने की अनुमति ना देने की आलोचना की। इस निर्णय को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा, श्हम यहां पर तलवारें और लाठियां लेकर नहीं आए हैं। हम यहां अपनी मांगों को बताने के लिए आए हैं। इसमें क्या गलत है?

बंगाल अल्पसंख्यक युवा संघ के महासचिव कमारुज्जामन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। सरकार को किसी एक धार्मिक कार्यक्रम को प्रायोजित नहीं करना चाहिए।'

## अपमान नहीं भूलीं माया, गठबंधन असंभव : अमर सिंह

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती के कांग्रेस से गठबंधन की बात से इनकार के बाद राज्यसभा सांसद अमर सिंह ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (एसपी) पर निशाना साधा है।

अमर सिंह ने कहा कि मायावती अपने ऊपर सपाइयों द्वारा किए गए अत्याचार को भूली नहीं हैं, ऐसे में गठबंधन का सवाल ही नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर कांग्रेस यह सोच रही है कि वह अकेले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को हरा देगी तो वह भ्रम में है। गौरतलब है कि बुधवार को मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि उनकी पार्टी राजस्थान और मध्य प्रदेश में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगी।

# इश्क में बगावत करना लड़की को पड़ा भारी, पंचायत ने सजा दी

नई दिल्ली। बिहार के नवादा से पंचायत का बेहद ही शर्मनाक चेहरा सामने आया. यहां एक लड़की को इश्क करने का शतालीबानीश सजा दी गई. लड़की को सरेआम पेड़ से 5 घंटे बांधकर रखा गया. इतना ही नहीं उसे जलील भी किया गया. इतना ही नहीं लड़की के पिता ने इस सजा पर कोई ऐतराज नहीं जताया.

दरअसल, पीड़ित लड़की गांव के ही एक युवक से मोहब्बत करती थी. लेकिन प्यार के दुश्मन समाज को यह मंजूर नहीं था. जिसके बाद लड़की युवक साथ बेरहम समाज को धत्ता बताते हुए 30 सितंबर को घर छोड़कर चली गई.

लेकिन घरवालों को उनके ठिकाने के बारे में पता चल गया. इसके बाद वो दोनों को पकड़ कर लेकर आए. जिसके बाद पंचायत ने लड़की को 5



घंटे पेड़ से बांधने की सजा सुनाई. पंचायत के इस फरमान को परिवारवालों ने भी मान लिया. इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी को पांच घंटे पेड़ से बांध कर रखा.

पीड़ित लड़की के पिता ने कहा कि पंचायत ने फरमान सुनाया है तो इसे सजा भुगतनी होगी. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभी तक इस तुगलकी फरमान की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **इटावा में आठ विशेषज्ञ**. . . डाक्टरों ने सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा उनको सौंपा है। उन्होने बताया कि त्याग पत्र देने वालों में रेडियालाजिस्ट डा0 पारितोष शुक्ला, आई सर्जन डा0 संजीव कुमार, डा0 मोहित सिंघल, डा0 जयदेश कुमार, आर्थो सर्जन डा0 विष्णु मेहरोत्रा, डा0 अभिषेक स्वर्णकार, सर्जन डा0 पीयूष तिवारी तथा डा0 मंगल सिंह शामिल है। डा0 भदौरिया ने बताया कि इस्तीफा देने वाले अस्पताल में कार्यरत आठ विशेषज्ञ डाक्टरों ने अत्यधिक काम के कारण डयूटी करने में समर्थता जतायी है। उन्होने बताया कि चिकित्सको का आरोप है कि काम के बोझ को कम करने के लिये शासन द्वारा उचित व्यवस्था नध्न करने के कारण सेवा से सामूहिक त्याग पत्र दिया है। सभी डाक्टरो ने सीएमएसध्सीएमओ को दिए गए त्याग पत्र में लिखा है कि जिला चिकित्सालय में कार्यरत सभी चिकित्सक, पोस्टमार्टम, इमरजेंसी, बीआरसी कैम्प, कोर्ट डयूटी, जेल डयूटी, विकलांग बोर्ड, वीआईपी डयूटी, तहसील दिवस, ओपीडी, ओटी, नसबंदी केन्द्र तथा स्वास्थ्य मेले में लगने वाली डयूटी के कारण अत्याधिक कार्य का दबाव महसूस कर रहे है जिससे मानसिक तथा शारीरिक रूप से परेशान है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **चुनाव आयोग की** . . . अजमेर में रैली कर रहे हैं आयोग ने अचानक पीसी का वक्त बदलकर दोपहर 3 बजे कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग की आजादी कहां है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **मुरादाबाद-सहारनपुर रेलखंड** . . . नरेंद्र मोदी की कल्पना को साकार करेगा। यह ट्रेन पूरी तरह मेक इन इंडिया होगी। चेन्नई की आईसीएफ कम्पनी ने इस ट्रेन के 16 कोचों को तैयार कर लिया है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **घनश्याम खंडेलवाल के**. . . बताया कि नोएडा स्थित उनकी रिफाइनरी पर भी छापेमारी की गई है। फिलहाल सभी दस्तेवेजो को खंगाला जा रहा है। उनके सभी बैंक एकाउंट्स को भी देखा जा रहा है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **एक पुलिस कर्मी ऐसा** . . . नगर निगम से 24300 रुपये वार्षिक की दर से एक स्थान का आवंटन कराया गया है, जिसमें बेहतरीन रसोईघर का निर्माण कराकर उसमें बिजली और गैस कनेक्शन भी लिया गया है। संस्था का स्टेट बैंक आफ इंडिया में खाता खुलवाया गया है। समाज से पेटीएम के जरिये भी सहयोग लिया जाता है। गोरखपुर में दारोगा पद पर तैनात प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि सेवा का यह कार्यक्रम वह करीब दो वर्षों से अनवरत चला रहे हैं। इस काम की प्रेरणा के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि रेलवे बाजार चौकी पर तैनाती के दौरान उन्होंने कई बार देखा कि बाहर से कमाकर आने वाले गरीब के पास इतना पैसा नहीं रहता था कि वह परिवार के सभी सदस्यों के लिये के लिये कपड़ा खरीदे। बगल से वह पुराने कपड़े खरीदकर उन्हें पालीथिन में पैक करवा घर ले जाता था। यह देखने के बाद उनका मन द्रवित हुआ। पहले उन्होंने गरीबों में कपड़े बांटने का काम शुरू किया। धीरे–धीरे कारवां चल निकला और अब आलम यह है कि प्रतिदिन करीब तीन सौ लोगों को पुराने कपड़े वितरित करने के बावजूद उनकी संस्था के पास इस समय करीब दो ढाई ट्रक कपड़े हैं। श्री सिंह ने कहा कि उनकी संस्था में करीब 50 ऐसे लोग हैं जो 50 रूपये से 5000 रुपये तक नियमित मदद करते हैं। वाराणसी में एक छोटा कारोबार करने वाली उनकी पत्नी भी पांच हजार प्रति माह का सहयोग देती हैं। मददगारों से सहयोग को प्रचारित नहीं करने की भी शर्त है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **एस-400 समझौते**. . . -एंटी रोसोबोरोनक्स पोर्ट की सहायक कंपनी है और एस–400 की प्रमुख निर्माता है.

24 दिसंबर 2015 को रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अपनी एक प्रेस रिलीज में इसका जिक्र किया था. इसमें लिखा था कि डीएसी ने एस–400 वायु रक्षा मिसाइल सिस्टम के अधिग्रहण को मंजूरी देकर 6 अरब डॉलर के व्यापार का मौका दिया है.

भारत की रिलायंस डिफेंस लिमिटेड और रूस की वायु रक्षा मिसाइल सिस्टम की प्रमुख निर्माता कंपनी अल्माज–एंटी ने भारत के साथ संयुक्त रूप से काम करने का फैसला किया है.

जानकारी के मुताबिक रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल ने प्रेस रिलीज में कहा था कि हमारी प्रस्तावित साझेदारी दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों के लिए मील का पत्थर साबित होगी. वहीं अल्माज–एंटी के उपाध्यक्ष ने कहा था कि रिलायंस डिफेंस के साथ काम करने से भविष्य में भारत की सुरक्षा बलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों कंपनियों को नई दिशा मिलेगी.

बता दें कि इस डील में रिलायंस इंडस्ट्रीज का नाम आने से मोदी सरकार की मुसीबतें बढ़ सकती हैं. क्योंकि राफेल मुद्दे पर रिलायंस का नाम आने के बाद से विपक्ष लगातार मोदी सरकार को घेर रहा है. वहीं अब भारत–रूस की इस डील में रिलायंस का नाम आने पर विपक्ष इसे भी मुद्दा बना सकता है.

(पृ. 1 का शेष) . . . **यूएस की धमकी** . . . साझा जंग,

डेलिगेशन लेवल की बातचीत के बाद पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति ने संयुक्त रूप से प्रेस को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा हमारा देश न्यूक्लियर एनर्जी में दोस्त है। अब हम टेक्नोलॉजी को बेचते और खरीदते नहीं हैं। मेक इन इंडिया के बारे में कहा कि रक्षा क्षेत्र में इसके तहत हथियार बनेंगे। व्यापार में बढ़ावा देने के लिए निवेश पर उन्होंने कहा कि हमने 'रसिया प्लस' सिस्टम बनाया है, जिसके जरिए रूसी कंपनी भारत में आसानी से निवेश कर सकेंगी। हम साथ मिलकर वित्तीय सहयोग को और मजबूत बना रहे हैं। इस सहयोग से दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा। पुतिन और अपनी दोस्ती पर कहा कि हमलोग मिलने का मौका नहीं छोड़ते हैं। दुनिया बदल रही है मगर भारत और रूस की दोस्ती नहीं बदलेगी।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद के विरूद्ध संघर्ष, अफगानिस्तान तथा इंडो पैसिफिक के घटनाक्रम, जलवायु परिवर्तन, एससीओ, ब्रिक्स जैसे संगठनों एवं जी20 तथा आसियान जैसे संगठनों में सहयोग करने में हमारे दोनों देशों के साझा हित हैं। हम अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में अपने लाभप्रद सहयोग को जारी रखने पर सहमत हुए हैं। भारत–रूस मैत्री अपने आप में अनूठी है। इस विशिष्ट रिश्ते के लिए राष्ट्रपति पुतिन की प्रतिबद्धता से इन संबंधों को और भी ऊर्जा मिलेगी।

राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को व्लादिवोस्तोक फोरम में शामिल होने का न्योता दिया है। साझा बयान के दौरान पुतिन ने कहा कि एक बार फिर पीएम मोदी को व्लादिवोस्तोक फोरम में मुख्य अतिथि के रूप में न्योता देना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपनी दो दिवसीय यात्रा पर भारत आए हैं। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज पीएम मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। रूसी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक भारत–रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस शिखर सम्मेलन में 10 अरब डॉलर से ज्यादा के सौदे पर बातचीत हो सकती है। इनमें छिपी संभावना और क्षमता की बदौलत रूसी हथियारों के लिए कम से कम दो और दशकों तक भारतीय दरवाजे खुले रहेंगे।

भारत फिलहाल ‟ 400 मिसाइल सिस्टम के पांच स्कैवर्डन बनाएगा। हर स्कैवर्डन में दो लांचर्स रहेंगे, जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एयर मिसाइलों को भी हवा में नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। इसकी लागत के बारे में अभी आधिकारिक तौर पर बयान नहीं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक भारत की लागत 40,000 करोड़ रुपये हो सकती है।

भारत पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि यह मिसाइल प्रणाली उसकी सुरक्षा के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **माया के गठबंधन न** . . . राहुल ने कहा, श्यदि वे चाहते हैं तो निश्चित तौर पर।श

बता दें कि बीएसपी चीफ मायावती ने बुधवार को ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐलान कर दिया था कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में उनकी पार्टी किसी भी कीमत पर कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बीजेपी के खिलाफ 2019 में महागठबंधन बनाने की कोशिशों में जुटी कांग्रेस को उनके इस ऐलान से करारा झटका लगा है।

गठबंधन की चर्चा को लेकर राहुल गांधी ने कहा, श्राज्य में गठजोड़ और केंद्र में एक साथ आना, दोनों अलग–अलग बातें हैं। मायावती जी ने इसका संकेत दिया है। हम राज्य में काफी लचीला रुख अपना रहे थे। यहां तक कि मैं अपने राज्य के कई नेताओं से ज्यादा लचीला रवैया अपना रहा था। हम बातचीत के बीच में थे, लेकिन उन्होंने अपने ही रास्ते पर जाने का फैसला लिया।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जनता की परेशानियों** . . . जनता से पेट्रोल डीजल पर 12 से 13.50 रुपये प्रति लीटर उत्पाद शुल्क वसूल रही है। जबकि सरकार ने जनता को राहत देने के नाम पर उत्पाद शुल्क में साढ़े तीन रूपये की कमी करने का फैसला किया।

येचुरी ने ट्वीट कर कहा ‟यह आंकड़े बताते हैं कि मोदी सरकार जनता की परेशानियों से पूरी तरह से बेपरवाह है।'' उन्होंने पेट्रोल डीजल की कीमत में कमी को सरकार का प्रपंच बताते हुये कहा ‟यह हर बार चुनाव से पहले लोगों को बेवकूफ बनाने के लिये किया जाने वाला प्रहसन मात्र है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **काले अक्षरों में**. . . ने कही। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों की सरकारों में जनता के पैसों के लूट की दास्तान है। पिछले दस वर्षों से रोडवेज की बस टिकटों में फर्जीवाड़ा चल रहा था। दोनों सरकारों ने रोकने की बजाय गड़बड़ियों को बढ़ावा दिया। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार सभी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के काम में जुट गयी है। टिकट घोटाले में शामिल परिवहन विभाग के 11 अफसरों को निलंबित और 54 कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है। चन्द्रमोहन ने कहा कि कभी एक दूसरे की धुर विरोधी रहीं सपा और बसपा भ्रष्टाचार पर एक दूसरे को बचाने के लिए चुनावी गठबंधन की खिचड़ी पका रही हैं। जनता के सामने इन दोनों की काली करतूत जाहिर हो गई है।

(पृ. 2 का शेष) . . . **कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश** . . . अलग होने का एलान भी कर सकते हैं. वहीं, अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले सोशल इंजीनियरिंग में लगी बीजेपी को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर जल्द ही तगड़ा झटका दे सकते हैं.

(पृ. 1 का शेष) . . . **सस्ते हुए पेट्रोल-डीजल**. . . घटाओ' के फार्मूले पर चलकर जनता का शोषण कर रही है. चुनाव आते ही ये कुछ समय के लिए दाम घटाने का नाटक करते हैं. अब तो भाजपा समर्थक भी ठगा महसूस करने लगे हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल–डीजल के दाम में ढाई रुपये प्रति लीटर की कमी करने के निर्णय के बाद यह घोषणा की। इससे राज्य में पेट्रोल–डीजल की कीमतें कुल पांच रुपये प्रति लीटर घट जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने ईंधन की कीमतों में ढाई रुपये की कटौती का ऐलान किया है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **पेट्रो पदार्थों की कीमतों** . . . कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कीमतों में कटौती कर लोगों को राहत देने के फैसले से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने यह फैसला किया है। उन्होंने यह भी बताया कि विगत कई वर्षों से उत्तर प्रदेश में पैट्रोल–डीजल पर वैट में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे पूर्व पैट्रोल–डीजल के बढ़ते दाम पर लगाम लगाने और उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ढाई रुपये प्रति लीटर की कटौती की घोषणा किये जाने बाद भारतीय जनता पार्टी शासित महाराष्ट्र, गुजरात, झारखंड तथा कई अन्य राज्य सरकारों ने दामों में इतनी ही कमी किए जाने का फैसला किया है, जिससे दोनों ईंधन के दाम पांच रुपये प्रति लीटर तक कम हो जाएंगे। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सरकार ने पैट्रोल–डीजल पर डेढ़ रुपये उत्पाद शुल्क कम करने का फैसला किया है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जेटली के चैलेंज से** . . . प्रति लीटर कटौती और कर दी. इनमें गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, गोवा, महाराष्ट्र और हरियाणा में पेट्रोल–डीजल की प्रभावी कीमत पांच रुपये प्रति लीटर कम हो गए हैं.

अरुण जेटली और बीजेपी के इस दांव से पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों पर मुखर रहने वाले विपक्ष के नेता ही अब घिर गए हैं और उन पर भी पांच रुपये की कटौती का दबाव बढ़ गया है.

बता दें कि पिछले महीने 10 सितंबर को पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर कांग्रेस ने श्भारत बंदश का आह्वान और देश भर में प्रदर्शन किया था. दिल्ली के जंतर–मंतर पर कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष के 20 दलों के नेताओं ने एक मंच पर आकर पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के लिए मोदी सरकार पर जमकर हमले किए थे.

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और कर्नाटक के मुख्यमंत्री कुमारस्वामी पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर मोदी सरकार पर हमलों में सबसे ज्यादा मुखर थे.

बीजेपी शासित राज्यों में 5 रुपये की कटौती के बाद विपक्ष जिन राज्यों में सत्ता में है, वहां दाम घटाने का दबाव बढ़ गया है. मौजूदा समय में कांग्रेस की पंजाब, मिजोरम, पुडुचेरी और कर्नाटक में सरकारें है. इनमें से तीन राज्यों में कांग्रेस की अकेले दम पर सरकार है. जबकि कर्नाटक में जेडीएस के साथ मिलकर कांग्रेस सरकार चला रही है. जेटली के चौलेंज के बाद कांग्रेस शासित किसी भी राज्य में तेल कीमतों में कटौती नहीं की गई है.

(पृ. 1 का शेष) . . . **इस बार परम्परा** . . . फिर से देखने का भी मौका नहीं देना है।

मोदी ने कहा, श्मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि लोकतंत्र का भला इसमें है कि जागरूक, जनता को समर्पित, जनता के सवालों को आगे बढ़ाने वाला विरोधी दल होना चाहिए, लेकिन जो लोग 60 साल की सरकार में विफल थे वे लोग अब विपक्ष में भी विफल हैं।श

अपने भाषण में सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र करते हुए कहा, श्सर्जिकल स्ट्राइक मेरे देश वीर जवानों का बहुत बड़ा पराक्रम था। कौन हिंदुस्तानी होगा जिनको हमारे वीरों पर गर्व न हो। क्या हो गया है कांग्रेस पार्टी को, क्या राजनीति ने कांग्रेस को इतना नीचे धकेल दिया है। पहले आपने सर्जिकल स्ट्राइक का अपमान करने की कोशिश की और जब पराक्रम पर्व करके देश के युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिल रही थी तो उसमे भी आपको गन्दी हरकत करने से बाज नहीं आए।

मोदी ने कहा कि जिन परिवारों में बिजली नहीं पहुंची है, वहां बिजली पहुंचाने के लिए राजस्थान सरकार मेहनत कर रही है। महात्मा गांधी की 150वीं जन्मशताब्दी तक एक भी परिवार 18वीं शताब्दी में जीने को मजबूर नहीं होगा। राजस्थान पर्यटन के लिहाज से भारत की राजधानी है। देश और दुनिया के पर्यटक यहां खिंचे चले आते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि यहां के लोग सबका आदर और सम्मान करते हैं। मोदी ने कहा, श्हमने किसानों से लागत से डेढ़ गुना एमएसपी देने का वादा पूरा किया है।

# कांग्रेस से गठबंधन नहीं करने के पीछे मायावती की योजना



लखनऊ। बसपा सुप्रीमो सुश्री मायावती ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को श्टा–टाश कर दिया है। लेकिन अहम सवाल यह है कि इस फैसले के पीछे वजह क्या है।

ग्वालियर और चंबल बसपा का गढ़ माना जाता है। कांग्रेस से समझौता नहीं करने के पीछे मायावती की एक योजना है। खबरों के मुताबिक पिछले चुनाव में दो सीटें जीतने वाली बसपा इस बार 11 सीटों पर ताकतवर हुई है।

बसपा की बढ़ती ताकत के पीछे तीन वजहें बताई जा रही हैं।सपाक्स और दलित आंदोलन, भाजपा के खिलाफ स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर और आखिरी समय में रणनीति में बदलाव।

रणनीति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बसपा अपसी 10 साल पुरानी राजनीतिक ताकत दोबारा हासिल करने के लिए कांग्रेस–भाजपा के बागियों पर नजर टिकाए हुए है।

बसपा ने पहले चरण में उन सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है, जहां उसका संगठन मजबूत है। दूसरे चरण में भाजपा–कांग्रेस के दमदार बागी नेताओं को अपने पाले में करने की तैयारी है।

ब्राह्मण–ठाकुर, वैश्य मतदाताओं को ध्यान में रखकर बसपा ऐसे चेहरे तलाश रही है जो उसके मूल वोट बैंक के साथ चुनाव को अपने पक्ष में करने की क्षमता रखते हैं। ग्वालियर ग्रामीण में गुर्जर, पोहरी में कुशवाह, श्योपुर में मीणा (रावत) बिरादरी के नेता, कोलारस में यादव, दिमनी में क्षत्रिय समाज का बाहुल्य है।

## जब कांग्रेस जवॉइन करने पहुंचे 'मोदी', कांग्रेसियों ने पूछा- 15 लाख कब तक?

लखनऊ। लखनऊ स्थित कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में बुधवार को कांग्रेसी कार्यकर्ता उस समय हक्के–बक्के रह गए जब उन्होंने अचानक 'नरेंद्र मोदी' को परिसर में टहलते हुए पाया।



हालांकि जल्द ही उन्हें यह अहसास हो गया कि पीएम इस तरह से कांग्रेस मुख्यालय में नहीं दिख सकते हैं, यह जरूर कोई उनकी तरह दिखने वाला इंसान है। यही नहीं जैसे ही सच का पता चला एक कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने उन्हें इस सवाल पर घेर लिया कि मेरे 15 लाख रुपये खाते में कब आ रहे हैं।

बता दें कि कांग्रेस पीएम मोदी पर कालाधन वापस लाने और 15 लाख रुपये हर खाते में देने के वादे से मुकरने का आरोप लगाती रही है।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के इस सवाल पर अभिनंदन पाठक शांत हो गए। मोदी की तरह दिखने वाले अभिनंद पाठक ने बताया, इन्हीं सवालों ने मुझे कांग्रेस पार्टी की तरफ आने के लिए मजबूर किया है। मैंने 2019 लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ चुनाव प्रचार करने का मन बनाया है। पाठक ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज बब्बर से भी मुलाकात की।

(पृ. 1 का शेष) . . . **पांच राज्यों में**. . . मिजोरम में चुनाव तारीखों का ऐलान कर सकता है, साथ ही उम्मीद की जा रही है कि इस ऐलान में तेलंगाना भी शामिल हो सकता है, क्योंकि यहां भी हाल में विधानसभा भंग हुई है। आपको बता दें कि आगामी लोकसभा चुनाव 2019 के लिए ये पांच विधानसभा चुनाव काफी अहम हैं। जो भी राजनीतिक दल इन चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगा उसको लोकसभा चुनाव में सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है। यही वजह है कि भाजपा कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों की नजरें इन विधानसभा चुनावों पर टिकी हैं।

पांच राज्यों होने विधानसभा चुनाव की बात करें तो इनमें से तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जबकि मिजोरम में कांग्रेस और तेलंगाना में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की सरकार है। कांग्रेस जहां इस चुनाव के जरिये अपने खोए हुए तीनों गढ़ मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में वापसी के लिए जोर लगाएगी वहीं भाजपा अपने किलों को बचाने के लिए जोर आजमाइश करेगी।

जहां तक तेलंगाना की बात है तो यहां राज्य का पहला विधानसभा चुनाव है। टीआरएस प्रमुख और सीएम चंद्रशेखर राव ने समय से पहले ही विधानसभा भंग कर इसी साल चुनाव की मांग की थी। यानी सत्ता में जहां टीआरएस है वहीं कांग्रेस यहां दूसरी बड़ी पार्टी के रूप में ताल ठोक रही है। वहीं भाजपा ने भी अपने दम पर लड़ने की बात कही है।

(पृ. 2 का शेष) . . . **डीजीपी ओ पी सिंह** . . . व आपत्तिजनक पोस्ट कर रहे हैं. ऐसे सिपाहियों पर केस दर्ज कर इनकी जांच की जा रही है. पुलिस में किसी भी तरह की असंतोष की स्थिति नहीं है. सर्वेश ने लिखा था– मैंने दिए हैं सिपाही को पैसे, मुझे बर्खास्त करो विवेक हत्याकांड के बाद से ही सिपाहियों का एक वर्ग आरोपी सिपाही के पक्ष में खड़ा है. पहले तो आरोपी सिपाही प्रशांत चौधरी की पत्नी राखी के खाते में पैसा जमा करने का अभियान छेड़ा गया और अब 5 अक्टूबर को काला दिवस मनाने और 6 अक्टूबर को इलाहाबाद में एसोसिएशन की बैठक बुलाने का मैसेज वायरल हो रहा है. 25वीं बटालियन पीएसी से संबद्ध मथुरा के रहने वाले सर्वेश ने इसी बात को लेकर एक पोस्ट किया था।

(पृ. 2 का शेष) . . . **यूपीटेट के आवेदन की** . . . अक्टूबर तक आवेदन शुल्क लिया जाना था। लेकिन 4 अक्टूबर तक बहुत से अभ्यर्थी अप्लाई नहीं कर पाए। यूपी बेसिक एजूकेशन बोर्ड की वेबसाइट upbasiceduboard-gov-in में लगातार आ रही तकनीकी दिक्कतों के कारण बहुत से अभ्यर्थी 4 अक्टूबर तक भी आवेदन नहीं कर पाए।

(पृ. 2 का शेष) . . . **सीबीआई ने इनकम टैक्स** . . . बाद धर्मशील रंगे हाथ पाए गए। उधर मामले में सीबीआई ने 10 लाख की घूस ले रहे इनकम टैक्स इंस्पेक्टर को किया रंगे हाथ गिरफ्तार, चार्टर्ड एकाउंटेंट भी हिरासत में में लिया है। इसके अलावा सीबीआई टीम ने धर्मशील के फ्लैट से करोड़ों रुपए की नकदी, ज्वैलरी व अन्य कीमती समान बरामद किए हैं। दरअसल प्रत्यूष कुमार मिश्रा वनस्पति घी कारोबारी हैं। 8 साल पहले आयकर विभाग ने उनके यहां छापा मारा था, जिसमें काफी संख्या में एफडी जब्त की थी। एफडी रिलीज करने के लिए धर्मशील ने रिश्वत की मांग की थी।

## संक्षिप्त समाचार

### जस्टिस गोगोई बने देश के 46वें प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने देश के 46वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में आज शपथ ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उन्हें सीजेआई पद की शपथ दिलाई। वह न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा का स्थान लेंगे, जो बुधवार को सेवानिवृत्त हुए हैं। न्यायमूर्ति गोगोई का 13 महीने से थोड़ी अधिक अवधि का कार्यकाल होगा और वह अगले वर्ष 17 नवम्बर को सेवानिवृत्त होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौड़ा, आदि अधिकतर गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

### 150 करोड़ का जीएसटी घपला पकड़ा

नई दिल्ली। राजधानी के व्यापारियों द्वारा जीएसटी में करीब 150 करोड़ का घपला प्रकाश में आया है। अंतरराज्यीय खरीद बिक्री में घपला पकड़ लिया गया है, जिसके बाद दिल्ली सरकार के जीएसटी विभाग के कमिश्नर ने कार्रवाई शुरू कर दी है। गहन जांच के बाद जीएसटी कमिश्नर ने डीलरों से यह राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। इससे दिल्ली सरकार के राजस्व में इजाफा होगा।राजधानी में जीएसटी लागू होने के बाद सैकड़ों डीलरों ने आनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया से छेड़छाड़ करना शुरू कर दिया है। आनलाइन पद्धति द्वारा कई डीलरों ने गलत जानकारी दी है। डीलरों ने भारी मात्रा में खरीद दर्शायी है लेकिन माल कहां बेचा व टैक्स कैसे चुकाया गया, इसपर चुप्पी साध रखी है।

### इंटरपोल के चीफ लापता, जांच शुरू

पेरिस। इंटरपोल के अध्यक्ष मेंग होंगवेई (64) के लापता होने की जानकारी मिली है। इसके बाद फ्रांस सरकार ने मामले की जांच शुरू कर दी। इंटरपोल का मुख्यालय फ्रांस के लियॉन शहर में है। यहां रहने वाली मेंग की पत्नी ने बताया कि पति से उनकी आखिरी मुलाकात सितंबर के आखिरी सप्ताह में हुई थी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, लापता होने से पहले मेंग चीन के लिए रवाना हुए थे। 29 सितंबर को उन्होंने देश (फ्रांस) छोड़ा था। नवंबर 2016 में इंटरपोल का अध्यक्ष बनने से पहले मेंग चीन में पब्लिक सिक्योरिटी के उपमंत्री थे। उनकी जिम्मेदारी खुफिया पुलिस के काम–काज को देखने की थी।

# स्वच्छ भारत विफल, सच्चाई दबाने की कोशिश में मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' को पूरी तरह विफल करार दिया और आरोप लगाया कि सरकार विज्ञापनों के जरिए इस सच्चाई को दबाने की कोशिश कर रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, 'कई अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों की भांति, मोदी जी ने यूपीए सरकार के 'निर्मल भारत अभियान' में थोड़ा फेरबदल किया और 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की। चार साल में कार्यक्रम ठीक से जमीन पर भी न उतर पाया और मोदी जी के अन्य कार्यक्रमों की तरह स्वच्छ भारत अभियान भी पूरी तरह विफल हो गया।'

उन्होंने कहा, 'सरकारी पैसे का दुरूपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर शौचालयों का निर्माण

किया गया, जबकि सच्चाई ये है कि अनेक स्थानों में पानी की कमी के कारण शौचालयों का इस्तेमाल ही नहीं हो रहा है। इसका उल्लेख कैग ने भी अपनी रिपोर्ट में किया है। ग्रामीण विकास से संबंधित लोकसभा की समिति ने जुलाई 2018 की रिपोर्ट में स्पष्ट कहा है कि स्वच्छता से संबंधित आंकड़े सिर्फ 'कागजी' हैं और इनका हकीकत से कोई वास्ता नहीं है।'

रमेश ने कहा, 'वर्ष 2016–17 में स्वच्छता मिशन के लिए पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने 14000 करोड़ रुपये की मांग की थी, जबकि आवंटित सिर्फ 9000 करोड़ रुपये ही हुए। इस पर जब मंत्रालय ने आपत्ति जताई तो राशि को बढाकर 10500 करोड़ रुपए कर दिया गया था, हालांकि वो भी निर्धारित जरूरत से काफी कम था।

# नादिया व डेनिस नोबेल शांति पुरस्कार 2018 से सम्मानित

ओस्लो। दुनियाभर के युद्धग्रस्त क्षेत्रों में यौन हिंसा के खिलाफ काम करने के लिए कांगो के डॉक्टर डेनिस मुकवेगे और यजीदी कार्यकर्ता नादिया मुराद को 2018 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए शुक्रवार को चुना गया।

न्यूज एजेंसी एएफपी के अनुसार, नोबेल समिति की अध्यक्ष बेरिट रेइस एंडरसन ने यहां नामों की घोषणा करते हुए कहा कि इन दोनों को यौन हिंसा को युद्ध के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने पर रोक लगाने के इनके प्रयासों के लिए चुना गया है। दोनों वैश्विक अभिशाप के खिलाफ संघर्ष का उदाहरण हैं।

एंडरसन ने कहा, ष्एक और शांतिपूर्ण दुनिया केवल तभी हासिल की जा सकती है जब महिलाएं और उनके मौलिक अधिकार और सुरक्षा को युद्ध में पहचाना और संरक्षित किया जाए। मुकवेगे और मुराद दोनों

एक वैश्विक संकट के खिलाफ संघर्ष का प्रतिनिधित्व करने आए हैं जो कि किसी भी संघर्ष से परे है, जिसे बढ़ते हुए रुडमज्वव आंदोलन ने दिखाया है।

63 वर्षीय डॉ. मुकवेगे को उनके द्वारा युद्धग्रस्त पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में महिलाओं को हिंसा और बलात्कार और यौन हिंसा के सदमे से बाहर निकालने में दो दशकों तक काम के लिए मान्यता मिली थी। मुकवेगे ने पांजी अस्पताल जिसे उन्होंने 1999 में दक्षिण किवु में स्थापित किया था वहां में बलात्कार के हजारों पीड़ितों का इलाज किया है जिनमें महिलाएं, बच्चे और यहां तक कि कुछ महीने के शिशु भी शामिल हैं।

उन्हें डॉक्टर चमत्कारष्के रूप में जाना जाता है, वह युद्ध के दौरान महिलाओं के दुरुपयोग का एक मुखर आलोचक हैं, जिसने बलात्कार को सामूहिक विनाश का हथियार बताया है। मुकवेगे के साथ, समिति ने यजीदी समुदाय की 25 वर्षीय इराकी महिला नादिया मुराद को भी सम्मानित किया, जिसका 2014 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया था और वहां से भागने से पहले तीन महीने तक सेक्स गुलाम के रूप में रखा था।

# ईरान-पाकिस्तान के रास्ते आ रही प्रदूषण की 'मुसीबत'

नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में इन दिनों सुबह–शाम हल्की ठंड का अहसास होता है, लेकिन यह स्थिति ज्यादा दिनों तक नहीं रहने वाली है। हालांकि, ठंड बढ़ेगी लेकिन प्रदूषण भी हमला बोलने वाला है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों में दिल्ली के साथ–साथ उत्तर भारत के कई राज्यों में अंधड़ चलने की आशंका है। बताया जा रहा है कि अरब सागर से उठ रही हवाएं चक्रवात का रूप धारण करने वाली हैं। ऐसी स्थिति में दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में आसमान में दिन में भी अंधेरा छाया रहेगा। इसका असर

धरती पर भी पड़ेगा। इससे जहां प्रदूषण बढ़ेगा, वहीं बुजुर्गों और बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखने को मिलेंगी।

पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने यूरोपीय मौसम विभाग के हवाले से बताया है कि फिलहाल एंटी साइक्लोन (अंधड़) लक्ष्यदीप में है और इसके पूरे ईरान और पाकिस्तान के बाद उत्तर भारत में आने की आशंका जताई गई है। इस बाबत ईपीसीए भी सक्रिय हो गया है और इसकी जानकारी पर्यावरण मंत्रालय और मौसम विभाग को दी है। माना जा रहा है कि इस बाबत जल्द ही विभिन्न महकमों की बैठक हो सकती है, इसमें इसके प्रभाव की चर्चा होगी।

# गठबंधन न होने के पीछे दिग्विजय सिंह का निजी स्वार्थ : मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि, सोनिया गांधी और राहुल दिल से गठबंधन चाहते हैं, लेकिन दिग्विजय सिंह जैसे नेता गठबंधन नहीं चाहते हैं। मायावती ने दिग्विजय सिंह को आरएसएस का एजेंट कहा। उन्होंने कहा बीएसपी और कांग्रेस में गठबंधन नहीं होने के पीछे दिग्विजय सिंह का निजी स्वार्थ बताया।

कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए मायावती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गठबंधन की आड़ में बीएसपी को समाप्त करना चाहती है। हम बाबा साहब के अनुयायी हैं और जो बाबा साहब

का अनुयायी होता है वह किसी दूसरे के हाथ का खिलौन नहीं बन सकता है।

उन्होंने कहा बीजेपी की महिला विरोधी, पूंजीपतियों की सहयोगी और दमनकारी नीतियों के खिलाफ ही हमारी पार्टी ने गठबंधन करने का फैसला किया था। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का रवैया हमेशा की तरह बीजेपी को परास्त करना नहीं बल्कि अपनी विपक्षी पार्टियों को चित्त करने का रहा है।

कांग्रेस ने बाबा साहब के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। कांग्रेस पार्टी ने दलितो और शोषितों की आवाज उठाने वाले बाबा साहब को भारत रत्न देने में भी आना–कानी की । कांग्रेस को गलतफहमी है कि वह अकेले ही बीजेपी के साम, दाम, दंड भेद और ईवीएम जैसी चालों से पार पाकर जीत हासिल कर लेगी जो काफी हास्यास्पद है।

पिछले परिणामों से साफ पता चलता है कि जहां बीजेपी का सीधा मुकाबला कांग्रेस से रहा वहां बीजेपी ने आसानी से जीत दर्ज की। मायावती द्वारा कांग्रेस पर लगाए गए आरोपों पर कांग्रेस ने सफाई देते हुए कहा कि, – मायावती, सोनिया गांधी व राहुल का सम्मान करती हैं।

# भाजपा नेताओं का एक कुत्ता भी देश की आजादी के लिए 'शहीद' नहीं हुआ : खड़गे

फैजपुर (महाराष्ट्र), प्रेट्र। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक साल बाद फिर से स्वतंत्रता संघर्ष को लेकर अपनी पुरानी टिप्पणी दोहराई है। एक साल पहले उनकी ऐसी टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें झिड़की लगाई थी। कांग्रेस नेता ने गुरुवार को कहा कि आरएसएस और भाजपा नेताओं के घर का एक कुत्ता भी देश की आजादी के लिए 'शहीद' नहीं हुआ था।

एआइसीसी के महासचिव महाराष्ट्र के जलगांव जिले में पार्टी की जन संघर्ष यात्रा के दूसरे चरण में आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमने (कांग्रेस) देश के लिए अपनी कुर्बानी दी है और त्याग किया है। इंदिरा गांधी ने देश की एकता के लिए अपनी जान दी।

राजीव गांधी ने भी देश के लिए जान दी। बताएं क्या भाजपा, आरएसएस के किसी नेता के घर से एक कुत्ता भी देश की आजादी के लिए मरने निकला था? बताएं कि आपका कौन सा आदमी देश की आजादी के लिए जेल गया।

# अपनी ये ख्वाहिशें पूरी करना चाहते हैं माही गिल और जिमी शेरगिल

लखनऊ। फिल्म शफैमिली ऑफ ठाकुरगंजश के एक गाने की शूटिंग करने आए जिमी शेरगिल और माही गिल ने राजधानी लखनऊ में खूब मस्ती की. इस दौरान ईटीवी भारत की संवाददाता से भी बातचीत की. माही और जिमी ने लखनऊ में अपने शूट और पुरानी यादों पर बातें शेयर कीं.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार माही गिल ने बताया कि लखनऊ में वह पहले भी शूटिंग कर चुकी हैं. बुलेट राजा की शूटिंग के दौरान वह लखनऊ में रह चुकी हैं. उन्हें यहां की चिकनकारी बेहद पसंद है.

माही कहती हैं कि पिछली बार भी मैं लखनऊ से चिकन के कपड़े लेकर गई थी. इस बार भी मैं शॉपिंग करने के पूरे मूड में हूं

हालांकि मुझे शूट की वजह से इस बार टाइम नहीं मिल पा रहा है लेकिन मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी कि मैं लखनऊ से शॉपिंग जरूर करूं.

लखनऊ के खान–पान पर माही कहती हैं कि यहां की चाट और पकोड़े भी मैंने खाए हैं, जो मुझे बेहद टेस्टी लगते हैं. मुझे इस बार मौका नहीं मिला है कि मैं लखनऊ घूम सकूं लेकिन अपने अगले शेड्यूल में मैं अपने ख्वाहिशें जरूर पूरी करूंगी.

फिल्म एक्टर जिमी शेरगिल की पृष्ठभूमि लखनऊ की ही रही है. वह लखनऊ के सेंट फ्रांसिस स्कूल में पढ़े हैं. वह कहते हैं कि लखनऊ से मेरा पुराना रिश्ता रहा है. स्कूल की कई पुरानी यादें लखनऊ आकर ताजा हो जाती हैं. कई बार स्कूल से बंक मारकर बाहर घूमने में भी मजा आता था. कभी श्रंजनाश नाम का एक चाइनीज रेस्तरां भी हुआ करता था, जो उस समय मेरा सबसे फेवरेट था.

लखनऊ आकर एक नॉस्टैल्जिक जैसी फीलिंग आती है. कई पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं और उनको दोबारा जीने का मन करने लगता है. फिलहाल लखनऊ में अब कई रियल लोकेशन शूटिंग की जाने लगी है, जिसकी वजह से यह मेरा कई बार आना हुआ है. जिमी कहते हैं कि मैं जब भी लखनऊ आता हूं तो मेरी कोशिश रहती है. अपनी पुरानी यादों को मैं ज्यादा से ज्यादा जी सकूं।

### आतंक पर प्रभावी कार्रवाई को अमेरिका ने पाक पर बनाया दबाव

वाशिंगटन। अमेरिका ने दबाव बनाते हुए पाकिस्तान से साफ कहा है कि वह आतंकियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करे। अमेरिका दौरे पर गए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस हफ्ते ट्रंप प्रशासन के कई शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान की सुरक्षा सहायता पर लगी रोक पर चर्चा भी की। इस बीच, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने भी कहा है कि सीमा पार आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए पाकिस्तान अपने प्रभाव का इस्तेमाल करे।

# एकता रैली के लिए ममता बनर्जी ने विपक्षी पार्टियों को भेजा न्योता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अगले साल 19 जनवरी को विपक्ष की एकता रैली के लिए सभी विपक्षी पार्टियों को न्योता भेजा है। बनर्जी ने लेफ्ट पार्टियों को भी ये न्योता भेजा है।

जानकारी के मुताबिक, कोलकाता में इस रैली का आयोजन किया जाएगा ममता के इस न्योते को चंद्रबाबू नायडू और अरविंद केजरीवाल ने स्वीकार कर लिया है।

उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन के मामले में मायावती के फैसले पर वह कोई टिप्पणी से इंकार कर दिया था। बता दें कि बीएसपी चीफ मायावती ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया है। बनर्जी ने कहा कि मैं कांग्रेस के बारे मे मायावती के फैसले पर टिप्पणी नहीं कर सकती। हालांकि, मैं कांग्रेस

और बीएसपी को 19 जनवरी को होने वाली रैली के लिए बुलाना चाहती हूं। मैंने केरल के मुख्यमंत्री को भी बुलाया है। उन्होंने कहा कि सीपीएम लगातार मेरे खिलाफ काम करती है, लेकिन मैं उन्हें भी बुलाऊंगी। उन्होंने कहा कि मैं सभी विपक्षी पार्टियों से एक साथ आने की अपील करती हूं।

# मणिकर्णिका विवाद पर फिर आई कंगना की सफाई

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म मणिकर्णिका क्वीन ऑफ झांसी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं या नहीं ये तो पता नहीं लेकिन फिल्म को लेकर इतने विवाद सामने आये हैं कि ये साफ है कि सब कुछ ठीक नहीं है।

हाल ही में ये खबर आई थी कि फिल्म निर्देशक कृष और उसके बाद सोनू सूद और अभिनेत्री स्वाति सेमवाल के फिल्म छोड़ कर जाने के बाद फिल्म से जुड़ी कंपनी के बिजनेस हेड को भी हटा दिया गया है। उनका नाम जी स्टूडियो के सुजॉय कुट्टी बताया गया है । खबर है कि ऐसा माना जा रहा है कि पहले फिल्म का बजट 70 करोड रुपए था लेकिन उन्होंने फिल्म के कुछ सीन को दोबारा शूट करने की अनुमति दे दी जिसके चलते फिल्म का बजट 30 करोड रुपए और बढ़ गया । अब बजट 100 करोड़ के करीब हो गया है। इसके अलावा

फिल्म की शूटिंग अगले 10 दिनों में होने वाली थी लेकिन अब फिल्म में बड़े स्तर पर बदलाव की आशंका व्यक्त की जा रही है। इस मामले को लेकर कंगना रनौत का एक बयान आया है। उन्होंने कहा है कि फिल्म के बिजनेस हेड को निकाले जाने को फिल्म से जोड़ना कोई लॉजिक की बात नहीं है और यह बुरी स्टोरी है।

कंगना राणावत ने आगे यह भी कहा कि फिल्म के बिजनेस हेड ने कुछ महीने पहले फिल्म छोड़ दी है लेकिन वह उनका कुछ आपसी मामला था। कंगना राणावत ने यह भी कहा क्योंकि यह फिल्म एक स्टूडियो के अंतर्गत बन रही है तो वह यह फिल्म किसी और को भी बेच सकते हैं, बजाय अपने कर्मचारी को निकालने के। मणिकर्णिका अगले वर्ष 25 जनवरी को रिलीज होने वाली है। कंगना रनौत ने इस फिल्म में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की भूमिका निभाई है।

# मोदी सरकार में चीन का सामान ज्यादा आया : अखिलेश यादव

लखनऊ. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय में वरिष्ठ शिक्षक सम्मेलन पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर उन्होंने शिक्षकों को सम्मानित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि वरिष्ठ शिक्षकों का आशीर्वाद मिलेगा तो समाजवादी लोग हर मुश्किलों का सामना कर लेंगे। जहां राजनीति में खोखलापन आ रहा है, वरिष्ठ शिक्षकों के सहयोग से इसे दूर करने का काम समाजवादी लोग करेंगे।

नरेंद्र मोदी सरकार पर चीन से आयात को बढ़ाने के लिये नोटबंदी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) थोपने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार में चीन का सामान ज्यादा आया है। आजकल भगवान की मूर्तियां भी चाइना से आ रहीं है। उन्होंने कहा कि अभी त्योहार आने दीजिये

मिठाई छोड़ कर पूरा सामान बाहर का होगा। मेक इन इंडिया कहते कहते जीएसटी ले आए, लाइसेंस ऐसा बना दिया कि भारत का बाजार चाइनीज सामानों से भर जाएगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि आज की व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दीवाली आ रही है और तमाम कोशिशों के बावजूद अभी भी ज्यादातर सामान चाइना का दिखाई देगा।

# क्या पत्नियों के झगड़े में उलझी टीम इंडिया ?

टीम इंडिया में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. अब टीम में पत्नियों के बीच हो रही तू–तू, मैं–मैं खिलाड़ियों को महंगी पड़ रही है. बीते कई दिनों से लगातार कप्तानी को लेकर विवाद और टीम में चयन को लेकर खबरों ने जोर पकड़ा है. एक हिंदी अखबार में छपी खबर के मुताबिक, टीम के कई सीनियर खिलाड़ी कप्तान विराट कोहली और टीम मैनेजमेंट से खुश नहीं हैं.

पहले रोहित शर्मा का इंस्टाग्राम और ट्विटर पर विराट कोहली को अनफॉलो करना और अब शिखर धवन का टीम से बाहर हो जाना इन मुद्दों को और भी हवा दे रहा है.

अखबार ने दावा किया है कि इंग्लैंड दौरे पर विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा और शिखर धवन की पत्नी आयशा के बीच

बहस हुई थी. जिसके बाद से ही शिखर के टीम से बाहर होने के कयास लगाए जाने लगे. हालांकि, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से अलग एशिया कप में शिखर का परफॉर्मेंस अच्छा रहा. गौर करने वाली बात ये भी है कि एशिया कप में विराट कोहली नहीं खेले थे.

अखबार के संवाददाता ने दावा किया है कि उन्हें टीम के एक खिलाड़ी ने बताया कि कई खिलाड़ी टीम में अनुष्का शर्मा की मौजूदगी से खुश नहीं हैं, कई बार वह टीम मीटिंग में भी शामिल होती हैं.

खबर में दावा किया गया है कि अनुष्का ने इंग्लैंड दौरे पर आयशा से उनके परिवार को लेकर कुछ बातें की, जिसके बाद से ही दोनों के बीच तल्खी शुरू हुई. इसके बाद टीम के अन्य सदस्यों को भी दोनों के बीच की कहानी का पता लगा और शिखर धवन के बाहर होने की चर्चा शुरू हुई.

हिन्दी अखबार ने दावा किया है कि इस बारे जानकारी के लिए उन्होंने विराट को भी मैसेज किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. हालांकि उन्होंने इस मैसेज को टीम के ही व्हाट्सएप ग्रुप में डाल दिया.

दूसरी ओर इन सभी खबरों को बीसीसीआई के अधिकारियों ने गलत करार दिया है. ठब्ब् अधिकारियों ने उन खिलाड़ियों के बारे में भी पूछा जिन्होंने नाराजगी की बात कही है. ताकि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले इस मसले को सुलझा लिया जाए.

# भारत ने विंडीज को पारी और 272 रनों से हराया

राजकोट। टीम इंडिया ने राजकोट टेस्ट में वेस्ट इंडीज को पारी और 272 रनों से हरा दिया है। भारत ने अपनी पहली पारी 9 विकेट के नुकसान पर 649 रन बनाकर घोषित की थी। जवाब में वेस्ट इंडीज की पहली पारी 48 ओवर में 181 रन पर सिमट गई। उसे फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। जब वह दूसरी पारी में बैटिंग के लिए उरती तो लगा कि पहली पारी से कुछ सीख लेकर इस बार टिकने की कोशिश करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पहली पारी की तरह ही मेहमान टीम के खिलाड़ी तू चल मैं आया की तर्ज पर लगातार अपना विकेट फेंकते गए और 50.5 ओवर में

सभी विकेट खोकर 196 रन बना सकी। यह भारत की टेस्ट में पारी और रन के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इसी साल जून में अफगानिस्तान को बेंगलुरु में पारी और 262 रनों से हराया था।

अपनी दूसरी पारी खेलने उतरी मेहमान टीम को उम्मीद थी कि उसे एक अच्छी शुरुआत मिलेगी, लेकिन पहली पारी में चार विकेट लेने वाले रविचंद्रन अश्विन ने क्रैग ब्रैथवेट (10) को शॉर्ट लेग पर खड़े पृथ्वी शॉ के हाथों कैच कर विंडीज को अच्छी शुरुआत से महरूम रख दिया। वह 32 के कुल स्कोर पर आउट हुए। एक ओवर बाद भोजनकाल की

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार ''सत्य'' माना जायेगा।
संपादक

crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222